सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

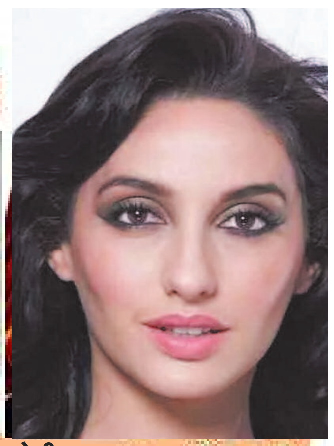

विराट कोहली के निशाने पर सचिन तेंदुलकर के दो वर्ल्ड रिकॉड -पेज: 7

इस डर से बिग बॉस 9 में एंट्री नहीं ले पाई थीं नोरा फतेही -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 231 | रविवार 30 नवम्बर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

अजमेर में उर्स से पहले नगर निगम ने हटाया अवैध अतिक्रमण, इलाके में मचा हड़कंप

अजमेर (एजेंसी)। ख्वाजा गरीब नवाज के 814वें उर्स से पहले नगर निगम ने शनिवार सुबह दरगाह क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। नगर निगम की टीम ने दरगाह क्षेत्र के अंदरकोट, अढ़ाई दिन का झोपड़ा, दिल्ली गेट आदि इलाकों में कार्रवाई की। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया। इस दौरान पुलिस के अधिकारी, और भारी पुलिस बल भी मौजूद था। नालियों और सड़कों से अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए यह कार्रवाई की गई। शनिवार सुबह नगर निगम के द्वारा दरगाह क्षेत्र में की गई कार्रवाई से क्षेत्र के दुकानदारों में आक्रोश था। दुकानदारों की ओर से अपनी दुकानों को बंद कर प्रदर्शन किया गया। कोर्ट से ढाई दिन का झोपड़ा के पहले से शुरू हुई यह कार्रवाई दरगाह बाजार से दिल्ली गेट तक चली। करीब दो किलोमीटर के एरिया में जेसीबी ने नालों, सड़क किनारे और दुकानों के आगे किए गए करीब 50 से ज्यादा अतिक्रमण हटाए। पुलिस ने कुछ व्यापारियों को समझाइश भी दी।

अचानक मोड़ पर बीयर से भरा ट्रक पलटा, बॉक्स लूटने सड़क पर लगी भीड़

-केबिन में फंसे ड्रायवर को निकालने के बजाय बीयर लेकर भागते रहे लोग

संभाजीनगर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के छत्रपती संभाजीनगर के वालूज इलाके में रांजणगाव रोड पर बीयर से भरा ट्रक रास्ते में एक व्यक्ति को बचाने की कोशिश में ड्राइवर ने स्टीयरिंग मोड़ा और अनियंत्रित होकर पलट गया। इससे सड़क पर बीयर की बोतलें बिखर गईं। ट्रक के केबिन में चालक फंस गया। इसके बावजूद कुछ लोग चालक को बाहर निकालने की बजाय बीयर के बॉक्स उठाने दौड़ पड़े। सड़क पर कुछ ही मिनटों में लूट मच गई। आसपास से गुजर रहे लोग भी बोतलों को उठाने में लग गए और ट्रक के पास अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस घटना की सूचना कुछ लोगों ने तुरंत पुलिस को दी। जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तुरंत भीड़ को काबू किया और घायल चालक को ट्रक की केबिन से बाहर निकालने की कोशिश की। अधिकारियों ने कहा कि चालक को सुरक्षित बाहर निकालने में समय लगा क्योंकि वह बुरी तरह फंसा था। पुलिस ने कहा कि इस तरह की घटनाओं में सड़क पर अफरा-तफरी मचाने वाले लोग खुद खतरे में पड़ सकते हैं। किसी भी सड़क हादसे में प्राथमिकता हमेशा घायल की मदद करना होनी चाहिए, न कि सामान लूटने की। हादसे की वजह से रास्ते में कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। घटना के बाद वालूज इलाके में अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस इस पूरे मामले को लेकर जांच-पड़ताल में जुट गई है।

नारायण साईं के सेल से मोबाइल फोन बरामद, जेल में नया मामला दर्ज

- सूरत की लाजपोर सेंट्रल जेल में मिले फोन और सिम कार्ड

सूरत (एजेंसी)। बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास काट रहे आसाराम के बेटे नारायण साईं की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। लाजपोर सेंट्रल जेल में हाई-सिक्योरिटी बैरक नंबर-1 में उनके पास मोबाइल फोन रखने और उसका इस्तेमाल करने का मामला सामने आया है। जेल प्रशासन को गुप्त सूचना मिली कि नारायण साईं के पास मोबाइल है। सूचना मिलते ही जेल स्क्वॉड ने तलाशी ली और उनके अलग सेल में फोन बरामद किया। तलाशी के दौरान फोन चुंबक की मदद से लोहे के दरवाजे पर चिपकाया गया था। इसके साथ जियो का सिम कार्ड भी मिला। जांच में सामने आया कि नारायण साईं बातचीत के बाद बैटरी और सिम कार्ड अलग कर लेते थे। सिम कार्ड अपने पास रखते थे और बैटरी को सुरक्षा के लिए संट्री रूम में छिपा देते थे। जेल स्टाफ की सतर्कता से यह बैटरी भी बरामद कर ली गई। जेल प्रशासन की शिकायत पर सचिन पुलिस ने नारायण साईं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और गुजरात जेल मैनुअल के उल्लंघन के तहत मामला दर्ज किया। एसीपी नीरव गोहिल ने बताया कि मोबाइल रखना जेल में गंभीर अपराध है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि फोन कहां से आया और किससे संपर्क किया गया।

पान मसाला विज्ञापन करे लेकर घिरे बॉलीवुड भाईजान, सुनवाई 9 दिसंबर को

-सलमान के वकील बोले-यह इलायची का विज्ञापन, शिकायत का आधार कमजोर

जयपुर (एजेंसी)। बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान पान मसाला विज्ञापन को लेकर घिर गए हैं। बीजेपी नेता और वकील इंदर मोहन सिंह हनी ने अभिनेता के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। हाल ही में इसे लेकर सुनवाई हुई और अब अगली सुनवाई 9 दिसंबर को तय की गई है। वहीं सलमान खान के वकील आशीष दुबे ने कोर्ट को बताया कि वर्तमान शिकायत की सुनवाई का अधिकार उपभोक्ता आयोग के पास नहीं है साथ ही यह भी कहा कि सलमान खान न तो पान मसाला निर्माता हैं और न ही उसके सर्विस प्रोवाइडर। ऐसे में उन्हें इस मामले में पक्षकार बनाना उचित नहीं है। वकील ने कहा कि शिकायतकर्ता ने उन्हें झूठा घसीटकर अनावश्यक उत्पीड़न का प्रयास किया है।

अभिनेता के वकील ने दावा किया कि सलमान खान ने गुटखा या पान मसाला नहीं, बल्कि सिल्वर कोटेड इलायची का विज्ञापन किया था, जिसे पान मसाले की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। इसलिए शिकायत का आधार ही कमजोर है। उधर, शिकायतकर्ता बीजेपी नेता हनी ने सलमान खान की ओर से दाखिल जवाब पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि जवाब पर किए गए साइन सलमान खान के असली साइन नहीं लगते। उन्होंने अदालत से मांग की है कि सलमान खान को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जवाब देने का निर्देश दिया जाए और प्रस्तुत हस्ताक्षरों की जांच कराई जाए। यह मामला उस विज्ञापन से जुड़ा है, जिसमें पान मसाला कंपनी ने केसर युक्त इलायची और केसर युक्त पान मसाला का दावा किया था। कोटा के बीजेपी नेता और वकील इंदर मोहन सिंह हनी ने उपभोक्ता फोरम में शिकायत दायर कर आरोप लगाया कि कंपनी और उसके ब्रांड एंबेसडर सलमान खान जनता को गुमराह कर रहे हैं, क्योंकि पांच रुपए के पाउच में असली केसर डालना संभव ही नहीं है। इसके अलावा परिवाद में कहा गया है कि ऐसे विज्ञापन युवाओं को पान मसाला और तंबाकू की लत की ओर धकेल रहे हैं और स्वास्थ्य पर गंभीर असर डालते हैं।

आखिर झुक गईं ममता, अब वक्फ संशोधन कानून लागू करने के दिए निर्देश

–विपक्ष के साथ बनर्जी ने कहा था इस कानून को बंगाल में लागू नहीं होने देंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने इस साल अप्रैल में वक्फद कानून में संशोधन किया था। इसमें कई नए प्रावधान जोड़े गए हैं, जिनका विपक्षी दलों और उनके द्वारा शासित राज्योंा की सरकारों ने कड़ा विरोध किया था। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने इसकी जमकर विरोध किया था। उन्होंरने कहा था कि वे इस संशोधित कानून को पश्चिम बंगाल में लागू नहीं होने देंगी। अब उनका रुख बदल गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ममता सरकार ने वक्फ संशोधन कानून-2025 को बंगाल में लागू करने को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। वक्फ? संपत्तियों को केंद्रीय पोर्टल पर अपलोड करने को लेकर डेडलाइन जारी कर दी है। प्रदेश के माइनॉरिटी डिपार्टमेंट की ओर से आठ बिंदुओं में प्रोग्राम भी जारी किया है। अधिकारियों के मुताबिक ममता सरकार ने सभी जिलों को निर्देश दिया है कि राज्य की करीब 82,000 वक्फ संपत्तियों का विवरण 5 दिसंबर से पहले केंद्र के पोर्टल पर अपलोड कर दिया जाए।

बता दें यह कानून इस साल अप्रैल में संसद के दोनों सदनों से पारित हुआ था। बंगाल के अल्पसंख्यक विकास विभाग के सचिव पीबी सलीम ने सभी जिला मजिस्ट्रेटों को पत्र भेजकर कहा कि हर जिले की वक्फ़ संपत्तियों की जानकारी तय समय में अपलोड की जाए। डेटा एंट्री दो हिस्सों में की जाएगी। पहला, व्यक्तिगत मुतवल्लियों द्वारा ओटीपी-आधारित प्रारंभिक रजिस्ट्रेशन और दूसरा, वक्फ संपत्ति से जुड़े विवरणों का पंजीकरण।

विवादित वक्फ संपत्तियों को इस चरण में रजिस्टवर्ड करने की जरुरत नहीं है।

यह भी निर्देश दिए हैं कि कार्य के लिए अधिकारियों को विशेष रूप से नियुक्त करें और दैनिक प्रगति की निगरानी करें। राज्य स्तर के दफ्तरों से वरिष्ठ अधिकारियों को अपने-अपने जिलों के दौरे पर भेजा जाए। आठ जिलों में हेल्प डेस्क बनाए जा चुके हैं और बाकी जिले भी ऐसे ही हेल्प डेस्क बना सकते हैं। राज्य वक्फ बोर्ड की ओर से हर दिन दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक वर्चुअल मोड में प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें राज्यभर के सभी दफ्तरों से लोग जुड़ सकते हैं।

ममता सरकार का यह फैसला राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। कानून के मुताबिक देश की सभी रजिस्टरर्ड वक्फ संपत्तियों की जानकारी छह महीने के भीतर केंद्र के पोर्टल पर डालना अनिवार्य है। राज्य सरकार के पत्र में कहा गया है कि बंगाल में 8,000 से ज्यादा वक्फ एस्टेट हैं और उनसे संबंधित सभी विवरण संबंधित मुतवल्लियों द्वारा अपलोड किए जाने चाहिए।

8.2 प्रतिशत जीडीपी में जयराम रमेश ने कहा– आंकड़े ‘सी ग्रेड’वाले, टिकाऊ नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने शुक्रवार को जुलाई-सितंबर 2025 तिमाही के जीडीपी आंकड़े जारी किए। वैश्विक मंदी और ट्रंप प्रशासन के नए टैरिफ दबाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने शानदार वापसी की है और 8.2 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। पिछले साल की इसी तिमाही में यह दर मात्र 5.6 प्रतिशत थी। इन आंकड़ों का प्रधानमंत्री मोदी सहित भाजपा नेताओं ने जोरदार स्वागत किया और इसे ‘विकसित भारत’की दिशा में बड़ा कदम बताया। लेकिन कांग्रेस ने तुरंत हमला बोल दिया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यह बड़ी विडंबना है कि जिस दिन तिमाही जीडीपी के आंकड़े जारी हुए, उसी दिन आईएमएफ की रिपोर्ट में भारत के राष्ट्रीय लेखा-जोखा सांख्यिकी को दूसरा सबसे निचला ‘सी’ ग्रेड दिया गया है। उन्होंने आगे आरोप लगाया, संख्याएँ लगातार निराशाजनक हैं। सकल स्थिर पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) में कोई उछाल नहीं आया। निजी निवेश में कोई नई गति नहीं दिख रही। बिना निजी निवेश के इतनी ऊंची जीडीपी वृद्धि दर टिकाऊ नहीं हो सकती। सरकार मुद्रास्फीति को जानबूझकर कम करके दिखा रही है ताकि नाममात्र की जीडीपी वृद्धि ज्यादा लगे। जयराम रमेश ने आईएमएफ की ताजा डेटा क्वालिटी असेसमेंट रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत के आधिकारिक सांख्यिकी की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। इससे पहले वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया था कि 8.2प्रतिशत वृद्धि में निर्माण, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र का मजबूत योगदान है। अब जीडीपी आंकड़ों पर यह नया राजनीतिक विवाद छिड़ गया है।

विवाह पवित्र बंधन है पर, दहेज ने इसे व्यापार बना दिया: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दहेज की सामाजिक बुराई पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि विवाह एक पवित्र और महान संस्था है जो आपसी विश्वास और सम्मान पर टिकी होती है। लेकिन दहेज के लालच ने इसे महज एक ‘व्यावसायिक लेन-देन’बना दिया है। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने इसे ‘समाज के खिलाफ अपराध’करार दिया। पीठ ने कहा, यह अदालत इस कड़वे सच से मुंह नहीं मोड़ सकती कि आज विवाह का पवित्र बंधन एक कारोबारी सौदा बन गया है। दहेज को अक्सर ‘उपहार’ या ‘स्वैच्छिक भेंट’ का नाम देकर छिपाया जाता है, लेकिन हकीकत में यह सिर्फ सामाजिक दिखावा और भौतिक लालच पूरा करने का जरिया बन चुका है। कोर्ट ने यह टिप्पणियां एक ऐसे मामले में कीं जिसमें शादी के सिर्फ चार महीने बाद पति पर दहेज के लिए पत्नी को जहर देकर मारने का आरोप है। हाई कोर्ट ने आरोपी को जमानत दे दी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उस आदेश को ‘‘प्रतिकूल और अव्यावहारिक’ बताते हुए तुरंत रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि हाई कोर्ट ने अपराध की गंभीरता, मरने से पहले महिला के पुख्ता बयान और दहेज हत्या की कानूनी धारणा (प्रिजम्प्शन) को पूरी तरह नजरअंदाज किया। पीठ ने कड़ा संदेश देते हुए कहा, ‘‘दहेज हत्या इस कुप्रथा की सबसे घिनौनी शक्ल है। एक युवती का जीवन सिर्फ इसलिए छीन लिया जाता है क्योंकि कुछ लोग अपना लालच पूरा नहीं कर पाते। यह न केवल विवाह की पवित्रता को तहस-नहस करता है, बल्कि महिलाओं के व्यवस्थित उत्पीड़न और गुलामी को बढ़ावा देता है।’अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसे जघन्य अपराध मानव गरिमा पर सीधा हमला हैं और संविधान के अनुच्छेद-14 (समानता) तथा अनुच्छेद-21 (सम्मानजनक जीवन) का खुला उल्लंघन हैं। सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी को दहेज के खिलाफ चल रहे सामाजिक और कानूनी अभियान के लिए बड़ा समर्थन माना जा रहा है।

कांग्रेसी उम्मीदवारों ने आरजेडी को बताया हार का जिम्मेदार, क्या टूटेगा गठबंधन?

–पटना में तेजस्वी के घर महागठबंधन की बैठक, विधानसभा सत्र की बनेगी रणनीति

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में हार के बाद महागठबंधन में टूट की अटकलें लगने लगी हैं। हाल ही में समीक्षा के दौरान कांग्रेस के ज्यादातर उम्मीदवारों ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) से गठबंधन को चुनावी हार का जिम्मेदार बताया। इनमें से कई ने तो कांग्रेस आलाकमान को आरजेडी से गठबंधन तोड़ने की वकालत भी की। इसके बाद से सियासी पारा गर्मा गया है। हालांकि पार्टी के किसी भी बड़े नेता का गठबंधन के भविष्य को लेकर कोई बयान नहीं आया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दिनों संपन्न हुए बिहार चुनाव के नतीजों में कांग्रेस, आरजेडी और अन्य विपक्षी दलों के गठबंधन को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस 71 सीटें पर चुनाव लड़कर महज 6 सीटें जीतीं। आरजेडी ने भी 143 सीटें लड़ी और 25 पर ही जीत हासिल की। अन्य घटक दलों की स्थिति भी खराब रही। महागठबंधन कुल 243 में से महज 35 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल कर सका। बता दें बीते गुरुवार को नई दिल्ली में कांग्रेस ने बिहार चुनाव की हार की समीक्षा बैठक बुलाई थी। इसमें सभी 61 सीटों पर चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के

अलावा प्रदेश स्तर के नेता भी मौजूद थे। बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सभी उम्मीदवारों से 10-10 के समूह में बात की थी।

सूत्रों के मुताबिक अधिकतर उम्मीदवारों ने आलाकमान को बताया कि तेजस्वी यादव की पार्टी राजद से गठबंधन की वजह से कांग्रेस को बुरी हार का सामना करना पड़ा। अगर कांग्रेस इस चुनाव में अकेले चुनाव लड़ती तो परिणाम बेहतर हो सकते थे। प्रत्याशियों ने कहा कि कांग्रेस को आरजेडी से गठबंधन खत्म कर देना चाहिए। उन्होंने महागठबंधन में सीट बंटवारे में देरी होने और करीब एक दर्जन सीटों पर फ्रेंडली फाइट को भी हार की वजह माना।

हालांकि, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता इस पर कुछ नहीं बोल रहे हैं। दिल्ली में समीक्षा बैठक के बाद बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह से जब आरजेडी से गठबंधन तोड़ने के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि इसका फैसला आलाकमान करेगा। फिलहाल महागठबंधन में शामिल घटक दल अपने-अपने स्तर पर हार की समीक्षा कर रहे हैं। आरजेडी में प्रमंडलवार प्रत्याशियों से फीडबैक लिया जा रहा है। चुनाव में विरोधियों के हित में काम करने वाले भितरघातियों की पहचान भी की जा रही है। इस बीच बिहार विधानसभा का सत्र 1 दिसंबर से होगा। इसमें नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। नीतीश सरकार अपना अनुपूरक बजट भी सदन में पेश करेगी। पटना में तेजस्वी यादव के घर पर महागठबंधन की बैठक बुलाई है। इसमें राजद, कांग्रेस और वाम दलों के विधायक शामिल होंगे। इसमें विधानसभा सत्र की रणनीति को लेकर चर्चा की जाएगी।

राहुल गांधी मानहानि केस: मुख्य सबूत वाली सीडी कोर्ट में निकली खाली, सुनवाई स्थगित

पुणे (एजेंसी)। पुणे की सांसद-विधायक विशेष अदालत में कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ विनायक दामोदर सावरकर को कथित तौर पर अपमानित करने के मानहानि मामले की सुनवाई गुरुवार को उस समय नाटकीय मोड़ ले लिया जब अभियोजन का सबसे अहम सबूत मानी जा रही सीडी पूरी तरह खाली निकली।

मामला 2023 में राहुल गांधी के लंदन भाषण से जुड़ा है। सावरकर के परपौत्र सत्यकी सावरकर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि राहुल गांधी ने ब्रिटेन में आयोजित एक कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानी सावरकर के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। इसी शिकायत पर अदालत ने संज्ञान लिया और राहुल गांधी को समन जारी किया था। संज्ञान लेते समय अदालत ने एक सीलबंद सीडी में मौजूद कथित वीडियो देखने का उल्लेख किया था। गुरुवार को जब वही सीलबंद सीडी अदालत कक्ष में खोलकर चलाई गई तो उसमें एक भी फाइल नहीं थी। सीडी पूरी तरह ब्लैंक थी। यह देख शिकायतकर्ता के वकील एडवोकेट संग्राम कोल्हटकर भी स्तब्ध

रह गए। उन्होंने तुरंत अदालत को याद दिलाया कि यही सीडी पहले चलाई गई थी और उसी के आधार पर समन जारी हुआ था। कोल्हटकर ने पूछा कि आखिर पहले देखी गई सामग्री अब गायब कैसे हो गई?

खाली सीडी के खुलासे के बाद कोल्हटकर ने वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर यूट्यूब पर उपलब्ध उसी भाषण का लिंक सीधे अदालत में चलाने की अनुमति मांगी। राहुल गांधी की ओर से पेश वकील मिलिंद दत्तात्रय पवार ने इसका पुरजोर विरोध किया। मजिस्ट्रेट अमोल शिंदे ने पवार की दलील मानते हुए कहा कि यूट्यूब यूआरएल भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 65-बी के तहत जरूरी प्रमाणीकरण प्रमाणपत्र के बिना सबूत के रूप में स्वीकार्य नहीं है। कोल्हटकर की यह अर्जी भी खारिज हो गई। इसके बाद सत्यकी सावरकर ने एक अतिरिक्त याचिका दायर कर दो अन्य सीडी चलाने का अनुमति मांगी, जिनमें वही भाषण होने का दावा किया गया। अदालत ने स्पष्ट किया कि रिकॉर्ड में ऐसी कोई सीडी जमा नहीं है, इसलिए याचिका नामंजूर की जाती है।

न्यायिक जांच और स्थगन की मांग

कोल्हटकर ने खाली सीडी के रहस्य की न्यायिक जांच कराने और मामले में गड़बड़ी की संभावना जाहिर करते हुए सुनवाई स्थगित करने का अनुरोध किया। राहुल गांधी के वकील ने इसका विरोध किया, लेकिन अंततः अदालत ने सुनवाई शुक्रवार तक के लिए टाल दी। यह घटना अब कई गंभीर सवाल खड़े कर रही है कि जिस सीडी के आधार पर राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का पूरा मामला खड़ा किया गया, वह अचानक खाली कैसे हो गई? क्या यह तकनीकी खामी थी या कुछ और? मामले में अब अगली सुनवाई में इन सवालों के जवाब तलाशे जाएंगे।

जब-जब कहा आतंकवाद को दफना दिया, तब-तब आतंकियों ने जलवा दिखाया

–कांग्रेस नेता ने दिल्ली ब्लास्ट को लेकर मोदी सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता उदित राज ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब भी कहा जाता है कि आतंकवाद को दफन कर दिया, तब-तब आतंकवादी अपना कुछ जलवा दिखा देते हैं। उन्होंने दिल्ली धमाके का जिक्र करते हुए यह बात कही। 10 नवंबर की शाम लाल किले के पास कार में हुए जोरधार धमाके में हमलावर समेत 15 लोगों की जान चली गई, जबकि 20 गंभीर रुप से घायल हो गए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा को लेकर सीएम उमर अब्दुल्ला की ओर से दिए बयान से जुड़े सवाल के जवाब में उदित राज ने कहा कि उमर क्या गलत कह रहे हैं, स्टेटहुड का प्रॉमिश था। कई बार बेईमानी हो रही है, लूट रहे हैं वहां। लूटने के लिए ही रखा गया है। संभल तो रहा नहीं है। अभी कश्मीर में भी बम ब्लास्ट हुआ

था, जब भी यह कहते हैं कि हमने आतंकवाद को दफन कर दिया पाकिस्तान में घुसकर मारा तब आतंकवादी कुछ ना कुछ अपना जलवा दिखा देते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक जलवा शब्द कहने के बाद संभलते हुए उदित राज ने अपना वाक्य बदला और कहा कुछ ना कुछ आतंकवादी गतिविधि करके दिखा देते हैं कि तुम्हारी बात में दम नहीं है। उन्होंने कहा मोदी सरकार ने कुछ दिन पहले ही कहा था कि देखो जम्मू कश्मीर के बाहर देश में कहीं आतंकवादी हमला नहीं हुआ। आतंकियों ने धड़ाक से लाल किला में बम ब्लास्ट करके दिखा दिया। पहले भी यही कहते थे कि कश्मीर में आतंकवाद का सफाया हो गया, पहलगाम करके दिखा दिया।

आर्थिक महाकेंद्र बनी अयोध्या ने पकड़ी रफ्तार, सालाना 50 करोड़ पर्यटक पहुंचने की उम्मीद

अयोध्या (एजेंसी)। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या अब सिर्फ आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि तेजी से उभरता आर्थिक महाकेंद्र बन चुकी है। 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों प्राण-प्रतिष्ठा और धर्म ध्वज फहराए जाने के बाद से रामलला के दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं-पर्यटकों की बाढ़ सी आ गई है। दो साल पहले जहां सालाना 5.5-6 करोड़ लोग आते थे, वहीं इस साल के अंत तक 50 करोड़ का आंकड़ा छूने की संभावना है। अकेले जनवरी से जून 2025 तक करीब 23 करोड़ लोग अयोध्या पहुँच चुके हैं।

पर्यटकों की इस अभूतपूर्व आमद ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को रॉकेट की रफ्तार दे दी है। होटल-रिसॉर्ट, रेस्तरां, फुटकर दुकानें, टैक्सी-ऑटो से लेकर हस्तशिल्प कारोबार तक हर क्षेत्र में उछाल आया है। पिछले दो वर्षों में एक दर्जन से ज्यादा तीन व पांच सितारा होटल परियोजनाएँ शुरू हो चुकी हैं। डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए अयोध्या अब युवाओं की पहली पसंद बन रही है। अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया सहित दुनिया भर से श्रद्धालु यहाँ पहुँच रहे हैं। आधारभूत संरचना के मामले में अयोध्या ने विश्व के बड़े धार्मिक पर्यटन स्थलों को पछाड़ दिया है। चमचमाता राम पथ, धर्म पथ, भव्य घाट, पुनर्जनित कुंड, संस्कृति से सजे चौराहे और स्वच्छ-सुघड़ सड़कें शहर की नई पहचान हैं। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अब 30 से अधिक उड़ानें संचालित हो रही हैं, जिनकी सालाना यात्री क्षमता 60 लाख है। नया रेलवे स्टेशन विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस है, जबकि बस अड्डों का भी कायाकल्प हो चुका है।

आर्थिक आँकड़े और भी चौंकाने वाले हैं। वर्तमान में अयोध्या उत्तर प्रदेश के कुल जीएसडीपी में करीब 1.5 प्रतिशत का योगदान दे रही है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले 4-5 वर्षों में यहाँ सालाना कारोबार 4 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच सकता है। पर्यटन, हॉस्पिटैलिटी, परिवहन और रियल एस्टेट सेक्टर में हजारों नए रोजगार सृजित हो रहे हैं। राम मंदिर ने न सिर्फ आस्था को नया आयाम दिया, बल्कि अयोध्या को विश्व के नक्शे पर एक चमकता आर्थिक सितारा बना दिया है। दीपावली, राम नवमी और अन्य पर्वों पर यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या देखते हुए लगता है कि 2026 तक अयोध्या विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन स्थल बनने की राह पर है।

संपादकीय

संवैधानिक व्यवस्था की व्याख्या

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने व्यवस्था दी है कि राज्यपाल के विधेयकों को लटकाए रखने जैसे मामलों को कोर्ट में नहीं लाया जा सकता। कोर्ट ने ऐसा करने को शक्तियों के विभाजन की संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ करार दिया है।

विधानसभा से पारित विधेयकों को मंजूरी देने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले को पलट दिया है। बल्कि उससे भी आगे जाते हुए जस्टिस बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने व्यवस्था दे दी कि राज्यपाल के विधेयकों को लटकाए रखने जैसे मामलों को कोर्ट में नहीं लाया जा सकता। कोर्ट ने ऐसा करने को शक्तियों के विभाजन की संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ करार दिया। यानी गुजरे अप्रैल में तमिलनाडु सरकार बनाम तमिलनाडु के राज्यपाल मामले में खुद उसने जो निर्णय दिया, उसके बारे में अब उसकी राय है कि उसने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर व्यवस्था दी! तब सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 200 की व्याख्या करते हुए कहा था कि विधानसभाओं से दोबारा पारित विधेयकों पर राज्यपालों को 90 दिन के अंदर सहमति देनी होगी। ऐसा ना होने पर समझा जाएगा कि संबंधित विधेयक को मंजूरी मिल गई है।

राज्यपालों के जरिए राज्यों के अधिकार क्षेत्र में केंद्र के दखल की शिकायतें गुजरे वर्षों में बढ़ती चली गई हैं। विधानसभाओं से पारित ऐसे विधेयक, जिनसे केंद्र सहमत ना हो, उन्हें कानून ना बनने देने के लिए राज्यपालों ने उन पर दस्तखत ना करने का तरीका अपनाया है। अतः इससे परेशान गैर-एनडीए राज्य सरकारों के लिए सुप्रीम कोर्ट के अप्रैल के फैसले को बड़ी राहत माना गया। समझा गया था कि उस फैसले से सुप्रीम कोर्ट ने फेडरिज्म की रक्षा की है, जो संविधान के बुनियादी ढांचे का प्रमुख पहलू है। मगर उससे केंद्र नाराज हुआ। उसने सीधे पुनर्विचार याचिका दायर करने के बजाय राष्ट्रपति के रेफरेंस से मामले को दोबारा कोर्ट के पास भेजा।

इस दौरान केंद्र ने यह विवादित दलील भी दी कि केंद्र का प्रतिनिधि होने के नाते राज्यपालों की अपनी जन-वैधता है, जिससे वे निर्वाचित राज्य सरकारों के निर्णय को रोक सकते हैं। यानी निर्वाचित सरकारों की वैधता पर राज्यपालों को तरजीह मिलनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्णय को ऐसी विवादास्पद मान्यता पर मुहर माना जाएगा। इससे फेडरिज्म को लेकर आशंकाएं फिर खड़ी होंगी। धारणा बनेगी कि सुप्रीम कोर्ट ने संवैधानिक व्यवस्था की व्याख्या केंद्र की सोच के अनुरूप की है।

चिंतन-मनन

सबसे बड़ी दौलत

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था, उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे।

एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला, देवी, आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें। इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई। अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली, शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है, उतनी शायद ही किसी के पास हो। सेठ अचरज से बोला, कहां है दौलत, जरा हमें भी तो बताइए।

अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा, कहिए कैसे याद किया? दोनों पुत्रों की ओर देखकर अध्यापिका बोली, यही दोनों मेरी सबसे बड़ी दौलत हैं। दोनों लड़कों को देखकर सेठ अभिभूत हो गया और बोला, बिल्कुल सही। वास्तव में जिसकी संतान संस्कारी और गुणी है, वह कभी गरीब हो ही नहीं सकता। अध्यापिका ने सेठ से कहा, जो कुछ आप मुझे देने आए हैं, उसे अनाथ बच्चों को शिक्षित करने के लिए दे दें। सेठ ने वैसा ही किया।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

इनोवेशन के लिए साइंस कम्युनिकेशन सबसे जरूरी है

संजय गोस्वामी

आज देश को विज्ञान की सही जानकारी हेतु विज्ञान संचार बहुत जरुरी है, यदि आप बेरोजगार हैं, तो इन वास्तविकताओं का सामना करने से आप अक्सर अभिभूत, उदास और निराश महसूस कर सकते हैं। वैश्विक महामारी के लिए ये वैध प्रतिक्रियाएं हैं, लेकिन इनोवेशन के लिए साइंस कम्युनिकेशन या विज्ञान संचार सबसे जरूरी है सकारात्मक बने रहेगें विज्ञान संचार को हम यूं समझ सकते है, जैसे कि वैज्ञानिक जानकारियों जहां से पैदा हो रही हैं। वहां से लेकर उन जानकारियों के प्रयोग करने वालों तक पहुंचाना। इसके लिए विभिन्न प्रकार के माध्यम अपनाए जाते हैं। विज्ञान संचार को दो भागों में बांटा जा सकता है। पहला शोधपरक विज्ञान संचार और दूसरा लोकप्रिय विज्ञान संचार। लैब में होने वाले शोधों की जानकारी तकनीकी भाषा में होती है। इसे आम आदमी सुगमता से नहीं समझ सकता। लोकप्रिय विज्ञान संचार में यह परेशानी आती है कि विज्ञान की कठिन बातों को सरल कैसे बनाया जाए और आम लोगों तक पहुंचाया जाए। सबसे बड़ी समस्या यह है कि रिसर्च पेपर की भाषा को आम लोग समझ नहीं पाते और वैज्ञानिक आम जन की भाषा को नहीं समझ पाते। यहीं पर परेशानियां पैदा होती हैं। वास्तव में विज्ञान के जटिल तर्कों को सरल भाषा में जो भी आम लोगों तक पहुंचा देगा वही एक सफल विज्ञान संचारक कहलाएगा। वास्तव में विज्ञान संचार के दो प्रमुख उद्देश्य हैं-विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की जानकारी आम जन तक पहुंचाना और उनमें वैज्ञानिक-तकनीकी दृष्टिकोण का विकास करना। किसी भी व्यक्ति में जब वैज्ञानिक दृष्टिकोण समाहित होने की बात की जाए तो इसका अर्थ यह होगा कि उसमें सोच, आचरण, व्यवहार और निर्णय लेने के स्तरों पर वैज्ञानिकता की छाप अवश्य दिखे।इसी छाप को अखिल भारतीय स्तर पर बनाये रखने के लिए हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद, मुंबई द्वारा पिछले 57 वर्ष से लगातार विज्ञान संचार किया जा रहा जिसमें किसी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष श्री आर के मिश्र का हिंदी विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान के लिए उनके हिंदी विज्ञान में एक नई क्रांति मुंबई के वैज्ञानिकों ने 1968 में भारतीय वैज्ञानिक द्वारा हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद की नींव मुंबई में रखी और 2साल बाद वैज्ञानिक पत्रिका का सतत प्रकाशन हुआ जो आज भी ऑनलाइन माध्यम से चल रही है। अतः राष्ट्रीय अस्तर पर हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद ही एक मात्र ऐसी संस्था बची इसमें परिषद के पूर्व कार्यकारी सचिव श्री राजेश कुमार मिश्र का सबसे अधिक और अहम् योगदान रहा जो इतिहास के पन्नों में दर्ज होगा, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक और हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्र , दिनांक 30. 11.2025 मे केंद्र से सेवानिवृत्त हो रहे हैं । फिलहाल वे परिषद द्वारा प्रकाशित होने वाली राष्ट्रीय पत्रिका के संपादक मंडल मे हैं इसके पूर्व उन्होंने जून 2022 से सितम्बर 2025 तक वैज्ञानिक पत्रिका के मुख्य संपादक के रूप में सफलतापूर्ण कार्य किया।उनके कार्यकाल में जो अंक प्रकाशित हुए उसमें आजादी के अमृत महोत्सव पर देश में विज्ञान का 75 साल में विकास, टेक्नोलॉजी विशेष अंक, वैज्ञानिक अनुक्रर्म विशेष,विज्ञान संचार विशेष, महान वैज्ञानिक योगदान अंक, व हाल ही में महान वैज्ञानिक परमाणु वैज्ञानिक डॉ आर चिदंबरम जो पूर्व में मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार थे जिनका 1998 में भारत के पोखरण -2 में मुख्य भूमिका रही उनके निधन पर श्रद्धांजलि के रूप में डॉ आर चिदंबरम स्मृति अंक वैज्ञानिकों व विज्ञान पाठकों के लिए बहुत ही शानदार रहा जिसके लिए भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव महोदय ने अंक हेतु अपनी शुभकामना संदेश देकर वैज्ञानिक में नई संजीवनी दि, जो विज्ञान के प्रकाश से जगमगाते रहे।श्री राजेश कुमार मिश्रजी ने विज्ञान संचार हेतु वैज्ञानिक को नवाचार और देश के विज्ञान गतिविधियों को पत्रिका में स्थान देकर देश को विज्ञान संचार के क्षेत्र में अहम योगदान दिया है और लगातार अपनी सेवा निस्वार्थ भाव से देते आ रहें है।इसके पहले वे वह हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद में लगभग 18 सालों या उससे अधिक समय से सक्रिय रूप से जुड़े रहे इसके लिए उन्होंने परिषद द्वारा आयोजित कई राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी में संयोजक के रूप मे महत्वपूर्ण योगदान दिया व हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद द्वारा आयोजित प्रश्न मंच कार्यक्रम मे भी संयोजन मे सफलतापूर्वक काम किया हिंदी विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान हेतु परिषद द्वारा उन्हे हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद स्वर्ण जयंती समारोह, में भारत के महान वैज्ञानिक स्व डॉ चिदंबरम जैसे महान वैज्ञानिक को मंच पर मुख्य अथिति के रूप में बुलाये जाने का पूरा श्रेय जाता है।इसके अलावा वे विज्ञान वार्ता, स्वास्थ्य संगोष्ठी, वैज्ञानिक पत्रिका के व्यवस्थापण मे भी मुख्य भूमिका प्रदान किया गया. उन्होंने विज्ञान अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी, दोनों ही क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। एक प्रभावी विज्ञान संचारक के नाते जन सामान्य संबंधित विषयों की वैज्ञानिक जानकारी/ज्ञान के संचार तथा लोकप्रियकरण की दिशा में स्वयंसेवी भाव से लगातार कार्य करते रहे हैं और वैज्ञानिक पत्रिका मे संपादक मंडल मे बने रहेंगे। सेवानिवृत्ती के अवसर पर आपको हिंदी विज्ञान में उल्लेखनीय योगदान हेतु अनेक बधाइयां तथा भविष्य के सुखद एवं निरोगी सुदीर्घ पारिवारिक जीवन के लिए शुभकामनाएं !.हिंदी विज्ञान में उनके अहम् योगदान हेतु पूरा देश गौरव महसूस करेगा हिंदी विज्ञान के लिए किया गया उनका कार्य निश्चित रूप से सभी को प्रेरणा देगी । निश्चित तौर पर विज्ञान संचारकों के लिए वैज्ञानिकता का प्रचार प्रसार करना एक बड़ीचुनौती है। विज्ञान संचार के लिए खोजे गए सूत्रों और तत्वों के आधार पर बहुत कुछ किया जा सकता है। नए पीढ़ी के लोगों के लिए चुनौतियां काफी हैं। यह भी साफ है कि केवल विज्ञान की जानकारी रखने वाले लोग ही अच्छे विज्ञान संचारक नहीं होते बल्कि जिनमें वैज्ञानिक समझ विकसित हो जाती है ,अतः विज्ञान संचार बहुत जरुरी है ।

(यह लेखक के व्यक्तगत हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भारतीय कानूनों में परस्पर- विरोधी प्रावधानों की जटिलता -अंतरराष्ट्रीय विश्लेषण

किशन सनमुखदास

आयकर अधिनियम की धारा 269एसएस बनाम नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट धारा 138 चेक बाउंस देनदारी...

वैश्विक स्तरपर भारतीय कानूनी ढांचा बहुस्तरीय बहु-आयामी और बहु-विषयक है।भारतीय विधिक व्यवस्था दुनियाँ की सबसे विस्तृत,जटिल और बहु-स्तरीय प्रणालियों में से एक है। यहां संविधान के अंतर्गत संसद और राज्य विधानसभाएँ कानून बनाती हैं, न्यायालय इनके अर्थ और दायरे को निर्धारित करते हैं, और विभिन्न नियामक संस्थाएँ इन कानूनों के अनुपालन की निगरानी करती हैं। इस व्यापक ढांचे में एक दिलचस्प और अक्सर विवादास्पद तथ्य यह है कि कई बार विभिन्न कानूनों की अलग-अलग धाराएँ एक ही व्यवहार को लेकर विपरीत स्थिति प्रकट करती हैं। कहीं कोई कृत्य एक कानून में प्रतिबंधित है,तो दूसरा कानून उसी कृत्य को अपराध यादायित्व का आधार मान लेता है। यही विरोधाभासी संरचना न्यायिक बहस, विधिक भ्रम, और कई बार विवादों का कारण बनती है।अक्सर एक नागरिक, एक व्यवसायी या एक संस्था एक ही घटना के परिणाम स्वरूप कई कानूनों के दायरे में एक साथ आ सकती है। इससे कई बार यह भ्रम पैदा होता है कि यदि किसी एक कानून का उल्लंघन हुआ है,तो क्या उसका प्रभाव दूसरे कानून के दायित्वों पर भी पड़ेगा? मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह रिसर्च कियाहूँ कि भारतीय कानूनी प्रणाली में ऐसे अनेक उदाहरण है (1) सिविल बनाम क्रिमिनल दायित्वः एक ही घटना, दो मुकदमे उदाहरण- धोखाधड़ी आईपीसी की धारा 420- आपराधिक धोखाधड़ी, भारतीय संविदा अधिनियम 1872-अनुबंध उल्लंघन-एक ही घटना में पीड़ित,सिविल सूट में हजार्ना ले सकता है,और आपराधिक मामला दर्ज कर सकता है।यानी एक कृत्य दो कानूनों में अलग पहचान रखता है। (2) घरेलू विवाद-परिवारिक कानून बनाम आपराधिक कानून-धारा 498ए आईपीसी- क्रूरता एक आपराधिक अपराध- हिंदू विवाह अधिनियम,1955-क्रूरता तलाक का आधार-यहां वही व्यवहार एक कानून में अपराध है,दूसरे में वैवाहिक अधिकार समाप्ति का आधार। (3) कंपनी कानून बनाम आपराधिक कानून- कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 447-धोखाधड़ी पर कारावास आईपीसी की धारा 406/420- आपराधिक विश्वासघात/धोखाधड़ी कंपनी के निदेशक पर एक साथ दोनों लागू हो सकते हैं। इसका मतलब-एक व्यवसायिक विफलता को इस बात पर परखा जाता है कि उद्देश्य भ्रष्ट था या नहीं। (4) पर्यावरण कानून बनाम दंड संहिता- पर्यावरण संरक्षण अधिनियम,1986दंड प्रशासनिक /विशेषआईपीसी की धारा 268 (पब्लिक न्यूसेन्स), सार्वजनिक कष्ट अपराध एक ही प्रदूषणकारी कृत्य दो अलग- अलग परिणाम दे सकता है। (5) पीएमएलए बनाम आईपीसी- एक अपराध, दो कानून पीएमएलए (धनशोधन कानून) -अपराध से अर्जित धन की धुलाई, आईपीसी अपराध-मूल अपराध यहां पीएमएलए द्वितीयक अपराध है। मूल अपराध आईपीसी में दर्ज होगा, पर धनशोधन अलग अपराध है-दोहरी जिम्मेदारी।(6)कर कानून बनाम अनुबंध कानून-कई बार अनुबंध वैध होता है, पर उसमें कर चोरी हो सकती है परंतु टैक्स दंड लगेगा, पर अनुबंध जारी रहेगा।(7) इंश्योरेंस कानून बनाम फौजदारी कानून में किसी दुर्घटना में अपराध हुआ हो फिर भी बीमा कंपनी को मुआवजा देना पड़ सकता है, क्योंकि दोनों के दायरे अलग हैं।(8) दिवालियापन संहिता बनाम कंपनी अधिनियम -आईबीसी में देनदारी वसूली प्राथमिक है, जबकि कंपनी अधिनियम प्रशासनिक विनियमन को नियंत्रित करता है।(9) आपराधिक कानून बनाम सिविल कानून-एक ही घटना में व्यक्तिःसिविल क्षतिपूर्ति देने का दायित्व रख सकता हैऔर साथ ही आपराधिक मुकदमे का सामना भी यानें -एक कानून का उल्लंघन दूसरेदायित्व को खत्म नहीं करता।यही प्रश्न विशेष रूप से तब उभरता है, जब इन्कम टैक्स एक्ट,1961 की धारा 269एसएस, जो 20,000 हजार से अधिक नकद उधार/ऋण/जमा लेने पर रोक लगाती है,और नेगोटिबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट, 1881 की धारा 138, जो चेक बाउंस होने परआपराधिक दायित्व बनाती है, एक साथ सामने आएं।क्या यह संभव है कि यदि लेन-देन 20,000 हजार से अधिक नकद में हुआ और यह धारा 269एसएस का उल्लंघन था, तो चेक बाउंस के मामले में देनदारी ही समाप्त हो जाए? क्या आरोपी यह तर्क दे सकता है कि लेन-देन अवैध था, इसलिए वह चेक के भुगतान का दायित्व नहीं रखता? इस प्रश्न का उत्तर भारतीय विधि-व्यवस्था के मूल सिद्धांतों, न्यायालयों के निर्णयों, और अंतरराष्ट्रीय विधि-शास्त्रीय समझ के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक माह पूर्व इस संबंध में दिल्ली हाई कोर्ट का एक महत्वपूर्ण निर्णय भी आया है।

साथियों बात अगर हम भारत में कानूनों की संरचना की करें तो, कानूनों की बहु-स्तरीय रचनाः विरोधाभास क्यों उत्पन्न होते हैं?भारत में कानून तीन मुख्य क्षेत्रों में निर्मित होते हैं-(1) संवैधानिक कानून (2) सामान्य/दंड कानून (जैसे आईपीसी, सीआरपीसी),(3) विशेष कानून जैसे आयकर अधिनियम, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम,कंपनियों अधिनियम बैंकिंग विनियमन अधिनियम, एफईएमए,पीएमएलए आदि।जब विभिन्न समयों, उद्देश्यों और परिस्थितियों में बनाए गए कानून समान तथ्यात्मक स्थिति पर लागू होते हैं, तो इनकी परिभाषाएँ, दंड, प्रक्रियाएँ और दायित्व एक-दूसरे से भिन्न दिखाई देते हैं। यही कानूनी विरोधाभास की अनुभूति उत्पन्न करता है।

असल में यह विरोधाभास नहीं बल्कि मल्टी-लेयर ज्यूरीडिकल स्ट्रक्चर है,जहां हर कानून का लक्ष्य अलग है।उदाहरणतः-एक कानून व्यवहार को नियंत्रित करता है, दूसरा उसी व्यवहार में विफलता को दंडित करता है।

साथियों बात अगर हम आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 एसएस व एनआई एक्ट धारा 138 को समझने की करें तो नकद लेन-देन पर रोक का उद्देश्य,यह धारा क्या कहती है?इन्कम टैक्स एक्ट की धारा 269एसएस कहती है कि कोई भी व्यक्ति 20,000 हजार से अधिक का ऋण, उधार या जमा नकद में नहीं ले सकता।ऐसा करने पर यह एक फिस्कल यानी राजस्व से संबंधित उल्लंघन माना जाता है।इस धारा का उल्लंघन कोई सिविल या क्रिमिनल कॉन्ट्रैक्ट को निरस्त नहीं करता, बल्कि केवल आयकर कानून के तहत पेनल्टी (धारा 271डी) को जन्म देता है। अथार्तःयह कर-शास्त्रीय दंड है, न कि लेन-देन को अवैध घोषित करने वाला प्रावधान। धारा 138 एनआई एक्ट-चेक बाउंस पर क्रिमिनल देनदारी-यदि कोई व्यक्ति चेक जारी करता है और वह बाउंस हो जाता है, और उसका भुगतान वैधानिक नोटिस के बाद भी नहीं किया जाता, तोः यह आपराधिक अपराध माना जाता है,सजा, जुमार्ना और देय राशि का भुगतान कानूनन अनिवार्य हो जाता है।अब मुख्य प्रश्न उठता है क्या 269रर का उल्लंघन 138 की देनदारी को खत्म करता है?भारतीय न्यायालयों ने लगातार कहा है किः (1) 269रर एक टैक्स-लॉ उल्लंघन है, न कि लेन-देन को अवैध बनाने वाला प्रावधान। (2) लेन-देन भले ही नकद हुआ हो, पर ऋण अस्तित्व में बना रहता है।

श्रीराम मन्दिर ध्वजारोहण पर पाकिस्तान की बौखलाहट

पाकिस्तान की भारत-निंदा की आदत कोई नई नहीं है; यह उसकी कूटनीति एवं संकीर्ण सोच का स्थायी चरित्र बन चुकी है। ऐसा शायद ही कोई अवसर हो जब भारत की बढ़ती शक्ति, बढ़ती साख और सांस्कृतिक उन्नयन का प्रभावी दृश्य उभरे और पाकिस्तान उसमें संकुचित मानसिकता से भरी त्रासद टिप्पणियां न करे, विरोध का वातावरण न बनाए या अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अनर्गल आरोपों का पुलिंदा न खोले। हाल ही में अयोध्याजी में श्रीराम मंदिर पर हुए ध्वजारोहण समारोह को लेकर उसकी बौखलाहट इसी मानसिक दिवालियापन का ताजा उदाहरण है। भारतीयता के स्वाभाविक सद्भाव में सेंध लगाने का कोई अवसर पाकिस्तान हाथ से नहीं जाने देता। यह केवल एक धार्मिक समारोह नहीं था, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, सभ्यता-स्मृति और सांस्कृतिक स्वाभिमान का वह क्षण था जिसने पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया। पाकिस्तान ने इस ऐतिहासिक घटना का विरोध ही नहीं किया बल्कि इसे संयुक्त राष्ट्र तक ले जाकर शिकायत की, जैसे उसे भारत के हर आंतरिक मामले में बाधा डालना ही अपनी कूटनीतिक जिम्मेदारी समझ में आता हो। इससे पहले भी उसने राम मंदिर निर्माण के अवसर पर अनर्गल विरोध दर्ज कराया था। यह उसका वह ढर्रा है जो भारत के सांस्कृतिक उत्थान एवं उन्नयन की किसी भी झलक को देखकर सहन नहीं कर पाता।

पूरे कुतर्क एवं कुचेष्टाओं के साथ अपने बयान में पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने आरोप लगाया है कि श्रीराम मन्दिर का ध्वजारोहण भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर दबाव बनाने की व्यापक प्रवृत्ति का परिणाम है। वैसे, दुनिया जानती है कि किस देश में अल्पसंख्यक ज्यादा दबाव में हैं। आज के समय में पाकिस्तान में बमुश्किल 50 लाख हिंदू बचे हैं, अन्य अल्पसंख्यक सिख और ईसाई तो न के बराबर हैं। पश्चिमी पाकिस्तान में बंटवारे से पहले करीब 15 प्रतिशत हिंदू रहा करते थे, पर बंटवारे के बाद हिंदुओं की संख्या 2 प्रतिशत के आसपास आ सिमटी। दूसरी ओर, भारत में 20 करोड़ से ज्यादा मुस्लिम हैं, इनकी संख्या अन्य अल्पसंख्यकों के साथ तेजी से बढ़ रही है। पाकिस्तान की ओर से यह फिजूल टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब पाकिस्तान खुद लंबे समय से हिंदुओं, ईसाइयों और अहमदिया मुसलमानों सहित दूसरे धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का केंद्र बना हुआ है। संयुक्त राज्य अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में पूरे पाकिस्तान में ईसाइयों और हिंदुओं

के खिलाफ हिंसा व उत्पीड़न जारी रहा है।

सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली कहावत के अनुसार पाकिस्तान की यह दखलअंदाजी केवल अस्वीकार्य ही नहीं, बल्कि उसकी दोहरी मानसिकता और पाखंडी चरित्र को भी उजागर करती है। विडंबना यह है कि जो देश स्वयं अपने ही नागरिकों को सुरक्षित रखने में असमर्थ है, जो अपने ही अल्पसंख्यकों के मौलिक अधिकारों का हनन करता रहा है, वह भारत में मुसलमानों के अधिकारों की चिन्ता में रातभर जागने का अभिनय कर रहा है। वह देश, जहां हिंदुओं की आबादी 1947 से लेकर आज तक लगभग समाप्त होने की कगार पर पहुँच चुकी है, जहां सिखों पर अत्याचार के अनगिनत उदाहरण मौजूद हैं, जहां ईसाइयों की प्रार्थना सभाओं को अक्सर हिंसा का निशाना बनाया जाता है, वह भारत में अल्पसंख्यक अधिकारों पर प्रवचन देने का नैतिक अधिकार कैसे प्राप्त कर सकता है? पाकिस्तान की विश्वसनीयता इतनी क्षतिग्रस्त हो चुकी है कि उसकी हर शिकायत एक राजनीतिक नौटंकी से अधिक कुछ नहीं रह जाती।

पाकिस्तान के इस व्यवहार के पीछे भारत के बढ़ते आत्मविश्वास, उभरती वैश्विक प्रतिष्ठा और मजबूत होती राष्ट्र-चेतना का भय साफ दिखाई देता है। भारत आज जिस तेजी से विश्व राजनीति में प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है, उसकी आर्थिक शक्ति जितनी तेजी से बढ़ रही है और जिसके सांस्कृतिक और सभ्यतागत विमर्शों को वैश्विक स्तर पर सम्मान मिल रहा है, वह पाकिस्तान की बेचैनी का मूल कारण है। पाकिस्तान यह समझ चुका है कि भारत केवल राजनीतिक या आर्थिक शक्ति के रूप में ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक महाशक्ति के रूप में भी उभर रहा है। अयोध्या में राम मंदिर का पुनर्निर्माण और इसके साथ जुड़ी सांस्कृतिक चेतना भारतीय समाज के भीतर एक नई एकता, नई ऊर्जा और एक नए आत्मसम्मान का निर्माण कर रही है। यही वह शक्ति है जिसे पाकिस्तान सबसे अधिक डरता है क्योंकि एक आत्मविश्वासी, एकजुट और संस्कृति-प्राण भारत उसकी कट्टरपंथी राजनीति और भारत-विरोधी साजिशों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

पाकिस्तान की ओर से जो ह्यबुकलेट्सह्ल और ह्यशिकायतेंह्ल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पेश की जाती हैं, वे वस्तुतः उसकी असफल विदेश नीति का प्रमाण-पत्र हैं। एक ऐसा देश, जो आज आर्थिक दिवालियापन, राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद की जड़ों में स्वयं फंसा हुआ है, वह भारत के आंतरिक धार्मिक आयोजनों को राजनीतिक संकट बनाने का हास्यास्पद प्रयास करता है। उसका यह व्यवहार न केवल हस्तक्षेपकारी है, बल्कि उकसाने वाला भी है। भारत इन सब निराधार आरोपों को न केवल तथ्यात्मक रूप से खारिज करने में सक्षम है, बल्कि जरूरत पड़ने पर हर मंच पर सटीक जवाब देने की तैयारी भी रखता है। भारत की नीति स्पष्ट है, वह किसी भी देश के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देता, परंतु अपने आंतरिक मामलों पर किसी की दखलंदाजी भी स्वीकार नहीं करता। भारत की आंतरिक नीतियाँ संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था से संचालित होती हैं। यहां का अल्पसंख्यक समुदाय किसी भी अन्य समुदाय की तरह समान अधिकारों का उपभोग करता है। भारत की भूमि पर हर धर्म, पंथ और विचारधारा को समान रूप से सम्मान मिलता है। यह विविधता और समभाव वाला देश है जहाँ मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे और चर्च केवल स्थापत्य संरचनाएँ नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के बहुरंगी फूल हैं। पाकिस्तान की एकरंगी धार्मिक नीति और कट्टरपंथी दबदबा इसे समझ नहीं पाता, इसलिए वह भारत के धार्मिक आयोजनों पर आपत्ति जताकर अपनी ही सीमित सोच को उजागर करता है।

भारत ने हर चुनौती, हर आरोप और हर उत्तेजक बयान का शांतिपूर्ण और तथ्याधारित उत्तर दिया है। यह संयम उसकी शक्ति भी है और संस्कृति भी। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि भारत किसी उकसाने वाले कदम को नजरअंदाज करेगा। समय-समय पर भारत ने यह दिखाया है कि वह केवल सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से ही नहीं, बल्कि सामरिक, कूटनीतिक और आर्थिक स्तर पर भी पर्याप्त सक्षम है। पाकिस्तान यह भलीभांति जानता है कि भारत अब इक्कीसवीं सदी का भारत है-आत्मनिर्भर, जागृत, संगठित और विश्व-मान्य शक्ति। अयोध्या में राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल का पुनर्निर्माण नहीं, बल्कि भारत की आत्मा से जुड़े सांस्कृतिक पुनर्जागरण की गूंज है। इसे कोई अंतरराष्ट्रीय मंच कमतर नहीं कर सकता। पाकिस्तान चाहे कितनी भी शिकायतें कर ले, कितने भी बयान जारी कर दे, या कितनी भी झूठी कहानियां गढ़ ले, भारत की सांस्कृतिक चेतना का उभार अविराम है और यह आगे भी नए आयाम स्थापित करता रहेगा।सच यह है कि पाकिस्तान की यह बौखलाहट उसकी पराजित मानसिकता का परिचायक है। भारत की बढ़ती शक्ति, बढ़ती प्रतिष्ठा और उभरती सांस्कृतिक पहचान उसके लिए सबसे बड़ा संकट है। लेकिन भारत का रास्ता स्पष्ट है-वह आगे बढ़ेगा, अपनी सभ्यता को सशक्त करेगा, अपनी संस्कृति को विश्व-पटल पर स्थापित करेगा और किसी भी अनर्गल हस्तक्षेप का दृढ़ता से सामना करेगा। पाकिस्तान चाहे कितने ही मोर्चों पर खतरा बने, भारत हर मोर्चे पर उत्तर देने में सक्षम है-साहस से भी, और संस्कार से भी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

बिहारी सिंह कन्या इंटर कॉलेज, में यातायात माह के अंतर्गत जागरूकता गोष्ठी एवं नुक्कड़ नाटक का किया गया आयोजन

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- यातायात माह नवंबर 2025 के दृष्टिगत थाना रहरा पुलिस द्वारा बिहारी सिंह कन्या इंटर कॉलेज में यातायात जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज में अध्ययनरत बालिकाओं द्वारा यातायात जागरूकता पर आधारित एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें तीन सवारियों से होने वाली दुर्घटनाएँ, हेलमेट का उपयोग न करने के दुष्परिणाम, सड़क सुरक्षा उपाय एवं दुर्घटनाओं से बचाव के महत्वपूर्ण बिंदुओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। बालिकाओं की प्रस्तुति ने उपस्थित सभी में यातायात नियमों के प्रति सकारात्मक संदेश प्रसारित किया। क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी एवं थानाध्यक्ष रहरा अतवीर सिंह चौहान द्वारा

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पेन उपहार स्वरूप प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया । क्षेत्राधिकारी हसनपुर द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित लगभग 250 छात्राओं को सड़क सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। उन्होंने हेलमेटझसीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग, ओवरस्पीडिंग से बचाव, मोबाइल फोन का वाहन चलाते समय उपयोग न करने, सड़क पार करने के सुरक्षित तरीके एवं यातायात संकेतों का पालन करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। संगोष्ठी के दौरान छात्र छात्राओं को विभिन्न यातायात संकेतों, चिन्हों एवं नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई तथा उन्हें दैनिक जीवन में यातायात अनुशासन अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। अंत में क्षेत्राधिकारी हसनपुर एवं थाना रहरा पुलिस द्वारा सभी छात्राओं को यह महत्वपूर्ण संदेश दिया गया– सुरक्षित यातायात ही जीवन की सबसे बड़ी सुरक्षा है। अमरोहा पुलिस द्वारा यातायात माह 2025 के अंतर्गत जनपद के विभिन्न विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में ऐसे जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि बच्चों एवं समाज में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता को और अधिक मजबूत किया जा सके। कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी, थानाध्यक्ष रहरा अतवीर सिंह चौहान सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

निर्माण कार्य में लगाई जा रही घटिया सामग्री

अधिशासी अधिकारी को पत्र सौंप कर की शिकायत

उझारी/अमरोहा (सब का सपना):- नगर में कराए जा रहे निर्माण कार्य में मानक अनुसार सामग्री नहीं लगाई जा रही है।

घटिया सामग्री लगाए जाने की शिकायत अधिशासी अधिकारी से की गई है। बताते चलें कि नगर पंचायत उझारी के मोहल्ला सादात में हुसैनी चौक से सरकारी स्कूल तक सड़क एवं नाली का निर्माण कराया जा रहा है। ठेकेदार द्वारा नाली के निर्माण में मानक अनुसार सामग्री नहीं लगाई जा रही है। शुक्रवार को बनाई गई सड़क शनिवार रात्रि को ही टूट गई। जिससे साफ जाहिर होता है कि निर्माण कार्य में घटिया सामग्री प्रयोग में लाई जा रही है। सामाजिक कार्यकर्ता

अलाउद्दीन सैफी, चमन हैदर बाकरी और शाकिर मसऊदी ने अधिशासी अधिकारी के नाम शिकायती पत्र नगर पंचायत कार्यालय में सोंपा है। पत्र में घटिया सामग्री की जांच कराए जाने की मांग की गई है।

जिले में SIR अभियान ने पकड़ी रफ्तार: 63% से अधिक गणना प्रपत्र डिजिटाइज

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में रक्फ़ अभियान के तहत मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन करने का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निर्देश पर अब तक 63 प्रतिशत से अधिक गणना प्रपत्र (फॉर्म) सफलतापूर्वक डिजिटाइज कर लिए गए हैं। साथ ही करीब 8.5 लाख मतदाताओं का डेटा पूरी तरह अपडेट कर लिया गया है।जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह की सतत मॉनिटरिंग के कारण इस अभियान में उल्लेखनीय तेजी आई है। दोनों

अधिकारियों ने सभी बीएलओ, सुपरवाइजर और संबंधित कर्मचारियों को रोजाना प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। कम प्रगति दिखाने वाले बूथों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है और वहाँ अतिरिक्त टीम तैनात की गई है। एडीएम गरिमा सिंह ने जनप्रतिनिधियों, राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र को मजबूत करने की जिम्मेदारी हम सबकी है। मतदाता सूची में नाम जुड़वाना, सुधार कराना या डिलीट कराना हर नागरिक का अधिकार और कर्तव्य दोनों है। ह्ममतदाताओं से अनुरोध किया गया है कि वे फॉर्म BLO के पास जमा कर दे। अंतिम तिथि का इंतजार न करें, क्योंकि अंतिम दिनों में सर्वर लोड और भीड़ के कारण परेशानी हो सकती है।

अभियान की सफलता के लिए जिले भर में बीएलओ घर-घर जाकर फॉर्म भरवा रहे हैं तथा विभिन्न स्थानों पर शिविर भी लगाए जा रहे हैं। जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र मतदाता अपने वोट के अधिकार से वंचित न रहे।

बीजनपुर में एस.आई.आर. फॉर्म भरने का कार्य 80% पूर्ण

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- ग्राम पंचायत बीजनपुर के बूथ संख्या 237 और 238 पर मतदाता सूची से संबंधित एस.आई.आर. फॉर्म भरवाने का कार्य किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के ब्लॉक अध्यक्ष एवं प्रधानाध्यापक पवन अग्रवाल ने फॉर्म भरने के कार्य में सहायता प्रदान की और प्रक्रिया का निरीक्षण किया।

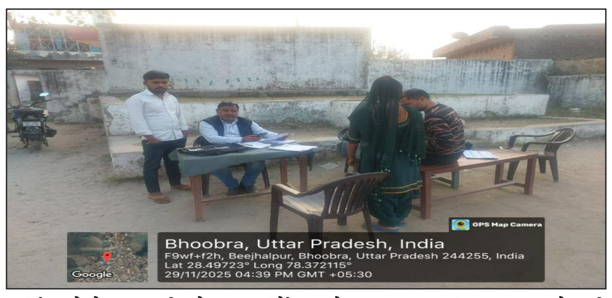

फॉर्म भरने के साथ ही भरे हुए फॉर्मों को तत्काल ऑनलाइन करने की प्रक्रिया भी पूरी की गई।

इन दोनों बूथों पर एस.आई.आर. से संबंधित लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। शेष कार्य को जल्द ही पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर बीएलओ संदीप कुमार, बीएलओ रामेश्वरी, और सहायक अध्यापक अमित कुमार सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत 50 कैमरों की स्थापना, पुलिस ने किया उत्साहवर्धन

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- थाना क्षेत्र में ऑपरेशन त्रिनेत्र को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाते हुए महत्वपूर्ण स्थानो पर 50 कैमरे स्थापित कराए गए। जिससे की सुरक्षा तंत्र को मजबूत बनाया जा सके। वहीं थाना प्रभारी के द्वारा स्थानीय नागरिकों को फूलमाला पहनाकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। आपको बता दें कि थाना डिडौली क्षेत्र में अभियान के तहत विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों (जोया, कपासी,

जीवाई आदि) पर आमजन द्वारा पुलिस की अपील पर कुल 50 कैमरे स्थापित किए गए, जिससे अपराध नियंत्रण, निगरानी व्यवस्था एवं सुरक्षा तंत्र को और अधिक मजबूत बनाया जा सके। स्थानीय नागरिकों द्वारा कैमरे लगाए जाने की इस पहल की सराहना करते हुए प्रभारी निरीक्षक थाना डिडौली हरीशवर्धन द्वारा उन्हें पुष्पमाला पहनाकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

पुलिस द्वारा लोगों को प्रेरित किया गया कि वे सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए ऐसे और भी कैमरे स्थापित करें, जिससे क्षेत्र में अपराध की रोकथाम और निगरानी व्यवस्था और बेहतर हो सके।

उ. प्रा. विद्यालय में यातायात एवं महिला-बाल सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में यातायात माह-2025 एवं मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत थाना सैदनगली पुलिस ने शुक्रवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय भीम नगर उझारी में यातायात एवं महिला-बाल सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। पुलिस कर्मियों ने बच्चों को सड़क सुरक्षा के महत्वपूर्ण नियम समझाते हुए हेलमेट व सीट बेल्ट पहनने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने,

निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा सुरक्षित यातायात के लिए जागरूक नागरिक बनने की शपथ दिलाई। साथ ही मिशन शक्ति के अंतर्गत बच्चों, खासकर छात्राओं को साइबर अपराध, छेड़छाड़, गुड टच-बैड टच तथा महिलाओं-बच्चों से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों (जैसे 112, 1090, 1098, 181 आदि) की विस्तृत जानकारी दी गई। पुलिसकर्मियों ने बच्चों से संवाद स्थापित कर उनकी शंकाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने यातायात नियमों का पालन करने व सुरक्षित समाज बनाने का संकल्प लिया।सैदनगली थाना अध्यक्ष विकास कुमार ने सभी अध्यापकों व बच्चों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम निरंतर चलते रहेंगे। एसपी अमित कुमार आनंद ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्कूली बच्चों को शुरू से ही यातायात नियमों व आत्म-सुरक्षा की जानकारी देना भविष्य में सड़क दुर्घटनाओं व अपराधों को कम करने में कारगर साबित होगा।

पाबंदी के बाद भी एक्सप्रेसवे पर जगह-जगह कट

हसनपुर (अमरोहा)। जिम्मेदारों की उदासनीता के चलते पाबंदी के बाद भी गंगा एक्सप्रेसवे पर वाहन फरार्टा भर रहे हैं, जिससे हादसे हो रहे हैं। बृहस्पतिवार की शाम संभल में कार और पिकअप की भिड़ंत में तीन बच्चे समेत छह लोगों की जान चली गई। इतने भीषण हादसे के बाद भी जिम्मेदारों की नींद नहीं टूटी। शुक्रवार को पड़ताल की गई तो गंगा एक्सप्रेस-वे पर बाइक, कार, पिकअप व अन्य वाहन दौड़ते नजर आए। मेरठ से प्रयागराज तक बनाए जा रहे 594 किलो मीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे 23.6 किलो मीटर का हिस्सा जनपद अमरोहा की हसनपुर तहसील में है। ये 24 गांवों से होकर गुजर रहा है। पड़ताल के दौरान पाया कि 23.6 किमी की दूरी तीस से अधिक वाहन फरार्टा भरते नजर आए। ये वाहन संभल जनपद से गंगा एक्सप्रेस-वे चढ़े थे। हालांकि अभी गंगा एक्सप्रेसवे को अधिकारिक रूप से शुरू नहीं किया गया है। इसके बावजूद भी गंगा एक्सप्रेस-वे हल्के एवं भारी वाहनों की आवाजाही देखी गई। यदि इन वाहनों से कोई हादसा हो जाता है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा। दोपहर बाद मंगरौला टी-प्वाइंट से प्रवेश बंद कराया संभल में हुए हादसे के बाद यूपीडा के अधिकारी सतर्क हो गए। हादसों को रोकने के लिए अधिकारियों ने मंगरौला में टी प्वाइंट से भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी। जेसीबी की सहायता से भारी वाहनों को रोकने के लिए पत्थर की बैरिकेडिंग की गई। मार्ग बंद होने से परेशान हुए लोग संभल जनपद में गंगा एक्सप्रेस-वे पर चढ़ने वाले वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। साथ ही दिल्ली के आने वाले कुछ कार सवार गंगा एक्सप्रेस वे पर संभल जनपद में चढ़े और मंगरौला में ही गंगा एक्सप्रेस वे से नीचे उतरने की कोशिश, लेकिन बैरिकेडिंग होने की वजह से वह नीचे भी नहीं उतर पाए। उन्हें वापस लौटना पड़ा। ट्रैक्टर से खींचकर हटा देते हैं बैरिकेडिंग गंगा एक्सप्रेस वे के निर्माण में लगे कर्मचारियों ने बताया कि यहां लगाई गई

जनपद में चल रहा पी0एल0एफ 0एस0/ आसूस सर्वेक्षण कार्य

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी पुनीत कुमार द्वारा अवगत कराया गया कि प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की इकोनमी बनाने के लक्ष्य प्राप्ति हेतु सभी जनपदों में पी०एल०एफ०एस० / आसूस सर्वेक्षण कार्य कराया जा रहा है। यह सर्वेक्षण कार्य चयनित एजेन्सी द्वारा आउटसोर्सिंग के माध्यम से नियुक्त सर्वेक्षणकर्ता एवं पर्यवेक्षणों द्वारा किया जा रहा है। जनपद अमरोहा में पी०एल०एफ०एस० सर्वेक्षण कार्य में 01 सर्वेक्षणकर्ता एवं 01 पर्यवेक्षणकर्ता तथा आसूस सर्वेक्षण कार्य मे 04 सर्वेक्षणकर्ता एवं 02 पर्यवेक्षणकर्ता सर्वेक्षण कार्य में लगे हुए है। उक्त सर्वेक्षण कार्यों की निगरानी नियोजन विभाग द्वारा की जा रही है। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पी०एल०एफ०एस०)

रोजगार और बेरोजगारी की स्थिति का आंकलन, विभिन्न प्रकार के उद्यमों एंव सेवाओं में कार्यरत श्रमिकों की संख्या का अनुमान, स्वरोजगार, वेतनभोगी, बेरोजगारों की संख्या का अनुमान, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी का अनुमान, ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में रोजगार स्वरूप का अनुमान लगाना आदि, आकड़ो का एकत्रीकरण किया जाना है। उक्त सर्वेक्षण में जनपद अमरोहा में 37 ग्रामीण व शहरी ईकाईयों का चयन किया गया है। जो माह जुलाई 2025 से किया जा रहा है माह नवम्बर 2025 तक कुल 14 ईकाईयों का डाटा प्रभाग मुख्यालय को प्रेषित किया जा चुका है शेष 23 ईकाईयों का सर्वेक्षण कार्य जून 2026 तक पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है। असंगठित क्षेत्र वार्षिक सर्वेक्षण (ASUSE) असंगठित क्षेत्र के व्यवसाओं की वास्ताविक स्थिति का आकंलन, कृषि क्षेत्रों को विनर्माण, व्यापार एवं अन्य सेवाओं की अर्थिक गतिविधियों का अनुमान, असंगठित क्षेत्र में कार्यरत कर्मकारों हेतु रोजगार और आजीविका नीति का निर्माण, आकड़ों का राज्य एवं जिला घरेलू उत्पाद अनुमान सम्बन्धित आकड़ों का एकत्रीकरण किया जाना है। जिसके तहत जनपद अमरोहा में ग्रामीण व शहर की 48 ईकाईयों का चयन किया गया है। जो माह अगस्त 2025 से किया जा रहा है। माह नवम्बर 2025 तक कुल 36 ग्रामीण व शहरी ईकाईयों का डाटा प्रभाग मुख्यालय को प्रेषित किया जा चुका शेष 12 ईकाईयों का सर्वेक्षण कार्य माह दिसम्बर 2025 तक पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है।

शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन करने वाले 21 बीएलओ को एसडीएम ने किया सम्मानित

अमरोहा (सब का सपना):- मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान में नौगांवा सादात तहसील में कार्य तेजी पर है। चुनाव आयोग के निर्देश पर चार नवंबर से चार दिसंबर तक चल रहे अभियान में प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन की नौगांवा विधानसभा क्षेत्र ने लगातार तेज प्रगति दर्ज कर रहा है। इसी उपलब्धि पर शनिवार को तहसील प्रांगण में शत प्रतिशत टारगेट पूरा करने वाले बीएलओ को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आरओ/एसडीएम नौगांवा सुनीता सिंह, एईआरओ/तहसीलदार लकी सिंह व एईआरओ/नायब तहसीलदार श्रीपाल सिंह ने 21 बीएलओ को शॉल ओढ़ाकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अधिकारियों ने साफ कहा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण लोकतांत्रिक प्रक्रिया की रीढ़ है और इस अभियान में जिसने

तेजी व निष्ठा से काम किया वह वास्तव में सम्मान के योग्य है। गौरतलब है कि नौगांवा विधानसभा के बूथ संख्या 260 की बीएलओ/आंगनबाड़ी कार्यकत्री पप्पी रानी ने 537 में से 537 गणना प्रपत्र एकत्र कर 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन करते हुए जिले में पहला स्थान प्राप्त किया था। उनकी इस उपलब्धि पर स्वयं डीएम निधि गुप्ता वत्स उन्हें शॉल, घड़ी व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित कर चुकी हैं। शनिवार को एसडीएम व तहसीलदार ने भी उनके उल्लेखनीय कार्य की सराहना की और उन्हें आदर्श बीएलओ बताया। इसी क्रम में दूसरे स्थान पर रहीं गीता रानी सहित शीतल रानी, पूनम, बाला देवी, अंजलि, नीरज कुमारी, शमीना परवीन, जयश्री, मुनेंद्र कुमार, मोहम्मद यूसुफ, राहुल, मोहित कुमार शर्मा, पुकराम सिंह, संदीप कुमार, नंदराम, नरेश, राजकुमार समेत कुल 21 बीएलओ को सम्मानित किया गया। इस दौरान एसडीएम सुनीता सिंह ने कहा कि मतदाता सूची का हर प्रपत्र लोकतंत्र की ताकत को मजबूत करता है जिन बीएलओ ने शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया है वे वास्तव में प्रशासन की उम्मीदों पर खरे उतरे हैं। उन्होंने अन्य बीएलओ को निर्देश दिए कि वे भी जल्द काम को पूरा करें। तहसीलदार लकी सिंह ने कहा यह टीमवर्क की जीत है। बीएलओ हमारी चुनावी मशीनरी का सबसे मजबूत कड़ी हैं। आज का सम्मान उनके जमीनी परिश्रम का सच्चा पुरस्कार है। सम्मान के दौरान बीएलओ उत्साहित नजर आए और पूरे तहसील परिसर में उपलब्धि की खुशी साफ झलकती दिखी।

जनपद में कोई भी अवैध चिकित्सा संस्था न हो संचालित-जिलाधिकारी

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी/समुचित प्राधिकारीः पी सी पी एन डी टी, की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में जनपदीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा निर्देश दिए कि जनपद के प्रत्येक निजी चिकित्सा संस्था (हॉस्पिटल, नर्सिंग होम, अल्ट्रासाउंड सेंटर, पैथोलॉजी, क्लिनिक आदि) अपने मुख्य द्वार पर अपने पंजीयन प्रमाण पत्र को चस्पा करेंगे। यदि किसी निजी चिकित्सा संस्था में पंजीयन प्रमाण पत्र चस्पा और उपलब्ध नहीं पाया जाता तो उस चिकित्सालय पर सीलिंग की करवाई करने हेतु समस्त चिकित्सा अधीक्षक एवं नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया गया। निर्देश दिए कि जिस अल्ट्रासाउंड सेंटर पर जो चिकित्सक अधिकृत हो वह सिर्फ अपने योग्यता की मरीजों का ही अल्ट्रासाउंड करेंगे तथा सेंटर पर गर्भवती महिलाओ के फॉर्म -

एफ को सुरक्षित रखेंगे तथा नोडल अधिकारी द्वारा निरीक्षण में इसका परीक्षण करेंगे।

यदि इसका अनुपालन न करता हुआ पाया जाता है तो संबंधित सेंटर का पंजीयन निरस्त करने की कार्यवाई की जाये। समस्त सेंटरों पर चिकित्सक का समय अंकित कर प्रदर्शित कराना सुनिश्चित कराएं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद में कोई भी अवैध चिकित्सा संस्था न संचालित न हो। अगर कोई संचालित पाया जाता है तो उसको सील करने की कार्यवाही की जाए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सत्यपाल सिंह, सीएमएस डॉ ए0के0 भंडारी, जेडी अभियोजन राम ध्यान राम सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

एसआईआर की समय सीमा 2 माह बढ़ाने की मांग, सपा नेताओं ने सीडीओ को सौंपा ज्ञापन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फिरोज खाँ के नेतृत्व में शनिवार को बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने बहजोई स्थित मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय पहुंचकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त, नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा। ज्ञापन में उत्तर प्रदेश में चल रहे विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (SIR) अभियान की समय सीमा को दो माह बढ़ाने की मांग की गई है। सपा नेताओं का कहना है कि लोगों में जागरूकता की कमी और प्रक्रिया की जटिलता के कारण बड़ी संख्या में मतदाता फॉर्म नहीं भर पा रहे हैं। बीएलओ और संबंधित कर्मचारी जल्दबाजी में काम कर रहे हैं तथा कई जगह सर्वर डाउन होने से फॉर्म अपलोड नहीं हो पा रहे हैं। वर्तमान में शादी-विवाह का सीजन चल रहा है, जिससे करीब 50 प्रतिशत आबादी अभी तक फॉर्म नहीं भर सकी है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार अपर्याप्त है और कई बीएलओ घर-घर जाने के बजाय एक ही जगह बैठकर सारे फॉर्म किसी एक व्यक्ति को थमा रहे हैं, जिससे पात्र व्यक्ति तक फॉर्म नहीं पहुंच पा रहे नेताओं ने चेतावनी दी कि निर्धारित समय सीमा में यह महत्वपूर्ण कार्य पूरा होना संभव नहीं दिख रहा है। लोकतंत्र की गरिमा और जनहित को देखते हुए रफ़्फ़ की समय अवधि कम से कम दो माह और बढ़ाई जाए। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से फिरोज खाँ, रामरहिस यादव, गुलाम मुस्तफा, गौरव यादव, सूरज सिंह, जबर सिंह, आरिफ खाँ, फैजान शाही, नफीस, मोनिस, यशपाल यादव, भूरा सहित कई सपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

संयुक्त कृषि निदेशक ने जनपद में किया फील्ड भ्रमण, सहफसली खेती व उन्नत फसलों का निरीक्षण

सम्भल(सब का सपना):- संयुक्त कृषि निदेशक, मुरादाबाद मण्डल मुरादाबाद तारोन्त कुमार ने जनपद सम्भल के विभिन्न गाँवों में फील्ड भ्रमण कर उन्नत कृषि प्रथाओं, सहफसली खेती तथा प्रदर्शनों का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान सबसे पहले ग्राम रामपुर उर्फ यारपुर निवासी किसान सुनील कुमार पुत्र भूरे सिंह के खेत पर पहुँचे। यहाँ 1 हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ना (प्रजाति CO-0118) के साथ सरसों (प्रजाति PM-32) की सहफसली खेती का सफल प्रदर्शन देखा गया। फसल पूरी तरह स्वस्थ एवं लाइन से बोई गई थी। मौके पर ही किसान द्वारा लगाई गई आलू की फसल तथा नेपियर घास का भी निरीक्षण किया गया। इसके बाद ग्राम जलालपुर (मौहम्मदाबाद) पहुँचकर किसान गुफरान पुत्र अजीज के खेत का अवलोकन किया, जहाँ स्ट्रॉबेरी के साथ तोरई की अंतरफसली खेती की जा रही है। संयुक्त निदेशक ने स्ट्रॉबेरी की पैकिंग प्रक्रिया को ध्यान से देखा और फसल की तकनीकी जानकारी ली। किसान ने बताया कि एक एकड़ में स्ट्रॉबेरी व तोरई से सभी खर्चे काटकर सालाना लगभग 4.50 लाख रुपये तक का शुद्ध मुनाफा हो जाता है। तत्पश्चात आत्मा योजना के अंतर्गत ग्राम कुरकावली में समीम अख्तर पुत्र हमीद एवं मुबीन पुत्र हमीद के खेत पर गेहूँ प्रदर्शन (प्रजाति DBW-303) का निरीक्षण किया। लाइन से बोई गई गेहूँ की फसल अत्यन्त उत्तम स्थिति में थी। भ्रमण के अंतिम चरण में मैसर्स राधे खाद भण्डार, सम्भल का निरीक्षण किया गया। यहाँ रेट लिस्ट, पीओएस मशीन तथा उपलब्ध स्टॉक का बारीकी से अवलोकन किया गया।
निरीक्षण के दौरान उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी, वरिष्ठ प्राविधिक सहायक (ग्रुप-ए) चन्द्रपाल, वरिष्ठ प्राविधिक सहायक (ग्रुप-बी) सुबेक सिंह तथा बीटीएम राजपाल सिंह उपस्थित रहे। संयुक्त कृषि निदेशक ने किसानों को उन्नत कृषि तकनीक अपनाने तथा सहफसली व नकदी फसलों से अधिक आय अर्जित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

बहजोई इस्लामनगर चौराहे पर यातायात पुलिस का विशेष चेकिंग अभियान

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई क्षेत्र में इस्लामनगर चौराहे पर यातायात माह नवंबर के अंतर्गत पुलिस ने शनिवार को वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराना और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना रहा। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई तथा यातायात क्षेत्राधिकारी के कुशल निर्देशन में चले इस अभियान की कमान यातायात हेड कांस्टेबल जय भगवान ने संभाली। पुलिस टीम ने चौराहे पर आने-जाने वाले दोपहिया व चौपहिया वाहनों की सघन जांच की। हेलमेट न पहनने वाले तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को मौके पर ही चेतावनी दी गई तथा कई वाहनों के चालान भी काटे गए।
हेड कांस्टेबल जय भगवान ने वाहन चालकों से बातचीत कर उन्हें हेलमेट पहनने के लिए विशेष रूप से प्रेरित किया और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस मुहिम की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि ऐसे अभियान नियमित रूप से चलते रहेंगे, जिससे क्षेत्र में यातायात व्यवस्था और सुरक्षित होगी।

पुलिस मुठभेड़ में लूट के दो शातिर बदमाश घायल, लूट का पैसा-अवैध हथियार और कार बरामद

हजरतनगरगढ़ी/संभल(सब का सपना):- थाना हजरत नगर गढ़ी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लूट की एक वारदात में वांछित दो शातिर अपराधियों को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। दोनों बदमाश पुलिस पर फायरिंग करते हुए भागने की कोशिश कर रहे थे, जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली दोनों के पैर में लगी, जिससे वे घायल हो गए। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान गौरव (28), पुत्र मुंशीलाल, निवासी डिरौली डिवाई, थाना अनुपशहर, जिला बुलंदशहर (हाल पता बजीपुर नगली, सेक्टर-134, नोएडा) मुकेश (30), पुत्र रामऔतार, निवासी भारद्वाज कॉलोनी, थाना अनुपशहर, जिला बुलंदशहर के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से लूट में इस्तेमाल वैगनर कार, लूट के रुपये और अवैध तमंचा-कारतूस बरामद कर लिए हैं।
पुलिस के अनुसार, थाना क्षेत्र के मौहम्मदपुर माली जाने वाले मार्ग पर चेकिंग के दौरान पुलिस टीम को दोनों संदिग्ध दिखे। शिनाख्त होते ही बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर गोली चलाई और भागने लगे। आत्मरक्षार्थ पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें दोनों के पैर में गोली लगी। दोनों घायल हो गए। तुरंत उन्हें जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। यह दोनों अपराधी थाना हजरत नगर गढ़ी में पहले से दर्ज लूट के मुकदमे में वांछित चल रहे थे। गिरफ्तारी के बाद उनके खिलाफ नया मुकदमा भी दर्ज कर लिया गया है। क्षेत्र में कानून-व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है।

सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से जनसमस्याओं को लेकर की चर्चा

संभल(सब का सपना):- सांसद जियाउर्रहमान बर्क से एस.ई. हाइडिल, अधिशासी अभियंता सहित बिजली विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने बर्क आवास पर मुलाकात की तथा सरकार की बिजली बिल राहत योजना 2025 26 पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में सांसद ने अधिकारियों को अवगत कराया कि जनपद के अनेक उपभोक्ता आर्थिक तंगी के कारण अपने बिजली बिल जमा नहीं कर पा रहे हैं। कई उपभोक्ताओं पर भारी बकाया, जुमार्ना और अन्य शुल्क लंबित हैं, जिससे आम जनता परेशान है। सांसद ने अधिकारियों से काफी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा करते हुए कहा कि राहत योजना की सही जानकारी सम्भल के प्रत्येक क्षेत्र, गाँव एवं वार्ड तक पहुँचाई जाए। नगर और गाँवों में जर्जर तारों और खंभों की समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएँ। जिन उपभोक्ताओं पर भारी बकाया है, उन्हें योजना के तहत अधिकतम लाभ उपलब्ध कराया जाए। जुमार्ने और सरचार्ज से प्रभावित उपभोक्ताओं को व्यावहारिक एवं वास्तविक राहत दी जाए। राहत अवधि के दौरान किसी भी पात्र उपभोक्ता का कनेक्शन अनावश्यक रूप से न काटा जाए।
अंत में सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कहा कि वे स्वयं इस योजना की प्रगति पर निगरानी रखेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि हर जरूरतमंद उपभोक्ता–विशेषकर वे लोग जो आर्थिक समस्याओं के कारण बिल जमा नहीं कर पा रहे हैं–उन्हें योजना का पूरा लाभ मिल सके।

देववती और कपिल के शव पहुंचे गांव, हर ओर चीत्कार

आदमपुर (अमरोहा)। संभल में गंगा एक्सप्रेसवे पर बृहस्पतिवार की शाम हुए हादसे में आदमपुर के परिवार के छह लोगों की मौत के बाद हुए हादसे में आदमपुर के परिवार के छह लोगों की मौत हो जाने के बाद से पूरे गांव में गम का माहौल है। शुक्रवार की शाम को पोस्टमार्टम के बाद देववती और कपिल के शव उनके घर पहुंचे तो चित्कार मच गई। दोनों का अलग-अलग गंगाघाट पर ले जाकर अंतिम संस्कार किया गया। मूल रूप से संभल के गांव बिसारू निवासी रोहित पिछले बीस वर्षों से आदमपुर में पत्नी व बच्चों के साथ रहते थे। आदमपुर में ही वह ज्वैलर्स की दुकान चलाते थे। बृहस्पतिवार को रोहित अपनी पत्नी रेनू, बेटी रिया, बेटे भास्कर व जय, छोटे भाई सुनील की पत्नी गीता, बहन देववती और भांजे कपिल के साथ मूल गांव बिसारू में भाई के बच्चों के नामकरण संस्कार में शामिल होने गए थे। शाम को वहां से वापस आते समय गंगा एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में रेनू, रिया, भास्कर, देववती, गीता और कपिल की मौत हो गई थी, जबकि रोहित और उसका दूसरा बेटा जय घायल हो गए थे। घायलों का पोस्टमार्टम जनपद संभल में ही हुआ। शुक्रवार की शाम पोस्टमार्टम के बाद देववती का शव आदमपुर और कपिल का शव उसके गांव बागड़पुर पहुंचा। कपिल चार बहन भाइयों में सबसे छोटा था। वह गांव के ही निजी स्कूल में कक्षा आठ में पढ़ता था। कपिल के शव का अनूपशहर गंगाघाट पर अंतिम संस्कार किया गया, जबकि देववती का अंतिम संस्कार पौरारा घाट पर किया गया।रोहित की पत्नी व बच्चों के शवों को अंतिम संस्कार के लिए बिसारू ले गए परिजन सड़क हादसे में रोहित की पत्नी रेनू, बेटी रिया और बेटे भास्कर के अलावा उनके छोटे भाई सुनील की पत्नी गीता के शव पोस्टमार्टम के बाद परिजन अपने मूल गांव बिसारू में ले गए। जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। हालांकि आदमपुर के ग्रामीण दिनभर उनके शव का आदमपुर में पहुंचने का इंतजार करते रहे। उन्हें उम्मीद थी कि शव यहीं लाए जाएंगे। रोहित व जय का मुरादाबाद में चल रहा उपचार, हालत भी गंभीरहादसे में रोहित और उनके बेटे जय की ही जान बच सकी है। हालांकि ये दोनों भी बुरी तरह से घायल हैं। दोनों को हादसे के बाद घायल अवस्था में संभल के जिला अस्पताल ले जाया गया था, जहां से प्राथमिक के उपचार के बाद मुरादाबाद रेफर किया गया था। दोनों का मुरादाबाद के निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। जय की हालत गंभीर बताई जा रही है। सांत्वना देने वालों का लगा तांता आदमपुर। संभल में आदमपुर के छह लोगों की हादसे की सूचना मिलने पर विधायक महेंद्र खड़गवंशी ने बृहस्पतिवार की रात को संभल पहुंचकर घटना की जानकारी की और घायलों का हाल जाना। इसके बाद उन्होंने आदमपुर और बागड़पुर पहुंचकर मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी।
सरकार से हर संभव मदद कराने का भरोसा दिया। इसके अलावा पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व सदस्य चंद्रपाल खड़गवंशी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सतीश अग्रवाल, समाजसेवी रोबिन त्यागी ने भी परिजनों को सांत्वना दी।

बुजुर्ग को टेंपो ने मारी टक्कर, मौत

बहजोई/संभल(सब का सपना):- थाना बहजोई क्षेत्र के ग्राम पुरा मझोला निवासी 73 वर्षीय मोहन सिंह पुत्र शिवचरण की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई।
प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहन सिंह शुक्रवार सुबह करीब 8:30 बजे पैदल अपने घर से निकले थे और भरतरा तिराहे पर खड़े थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार टेंपो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल मोहन सिंह को राहगीरों व कुछ लोग अपने निजी वाहन से तुरंत मुरादाबाद के एपेक्स हॉस्पिटल ले गए। एपेक्स हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए उन्हें मेरठ रेफर कर दिया। मेरठ ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। शनिवार सुबह करीब 7:30 बजे परिजन (बेटा बंटी) उन्हें निजी वाहन से सीएचसी बहजोई लाए, जहां ड्यूटी पर तैनात डॉ. सचिन वर्मा ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की अध्यक्षता में नारकोटिक्स एनकॉर्ड से संबंधित बैठक आयोजित

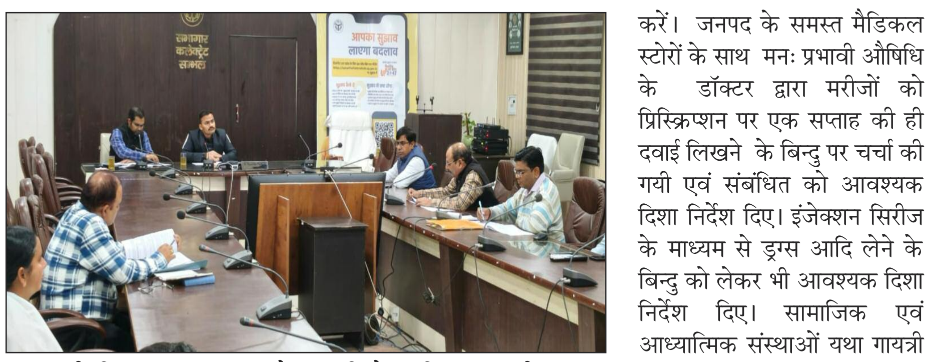

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की अध्यक्षता में नारकोटिक्स एनकॉर्ड से संबंधित बैठक का आयोजन किया गया।
बैठक के अन्तर्गत आबकारी निरीक्षक रुद्रकांत मिश्र द्वारा बैठक के प्रमुख बिन्दुओं के विषय में पुलिस अधीक्षक को जानकारी प्रदान की। मानस पोर्टल एवं समग्र भारत में ड्रग्स की शिकायतों हेतु जारी हेल्पलाइन नंबर 1933 के प्रचार प्रसार को लेकर चर्चा की गयी। पुलिस अधीक्षक ने हेल्पलाइन नंबर की मॉनिटरिंग के विषय में जानकारी प्राप्त करते हुए संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि हेल्पलाइन नंबर 1933 की समीक्षा अति आवश्यक है, इसपर जनपद सम्भल से कितनी शिकायतें आती हैं। व्यापार कर एवं आबकारी विभाग संयुक्त रूप से राजमार्ग तथा अन्य जनपद से आने वाले मार्गों पर चैकिंग के समय अवैध शराब एवं अन्य मादक पदार्थों की तस्करी के दृष्टिगत संदिग्ध वाहनों की जांच के संबंध में चर्चा की गयी। पुलिस अधीक्षक ने व्यापार कर विभाग से संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि अर्थदण्ड किस माध्यम से प्राप्त हुआ तथा खाते आदि से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। राजमार्ग एवं ढाबों पर अवैध मदिरा की तस्करी एवं मादक पदार्थों की तस्करी के संबंध में भी चर्चा की गयी तथा पुलिस अधीक्षक ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि आबकारी विभाग सम्भल अमरोहा बॉर्डर तथा हजरत नगर गढ़ी बॉर्डर आदि पर भी चैकिंग करना सुनिश्चित करें। जनपद के समस्त मैडिकल स्टोरों के साथ मनः प्रभावी औषिधि के डॉक्टर द्वारा मरीजों को प्रिस्क्रिप्शन पर एक सप्ताह की ही दवाई लिखने के बिन्दु पर चर्चा की गयी एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इंजेक्शन सिरीज के माध्यम से ड्रग्स आदि लेने के बिन्दु को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सामाजिक एवं आध्यात्मिक संस्थाओं यथा गायत्री परिवार तथा ब्रहमकुमारी प्रजापिता आदि के द्वारा जनपद में एक युद्ध नशे के विरुद्ध के प्रचार प्रसार को लेकर पुलिस अधीक्षक द्वारा सराहना की तथा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि डिग्री कॉलेज पर विशेष फोकस करते हुए वहाँ जागरुकता से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किये जाएं तथा अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जाए। बाल संसद एवं प्रहरी क्लब पर भी चर्चा की गयी एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ब्रहमकुमारी प्रजापिता संस्था के प्रतिनिधियों द्वारा राजघाट बबराला के पास घाट पर साफ सफाई को लेकर कहा जिसपर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आगामी बैठक में ऐसे लोगों को भी बैठक में प्रतिभाग कराएं जोकि नशा करना छोड़ चुके हैं, जन जागरूकता में उनका सहयोग लिया जाए ।
इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा,आबकारी निरीक्षक रुद्रकांत मिश्र सहित समस्त आबकारी निरीक्षक, औषधि निरीक्षक जयेन्द्र कुमार एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी एवं ब्रहम कुमारी प्रजापिता संस्था के प्रतिनिधि आदि उपस्थिति रहे।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक में 30 विवादों का निस्तारण, 10 परिवार फिर से एकजुट

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) अनुकृति शर्मा व क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की महत्वपूर्ण बैठक पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में संपन्न हुई। RI अशोक कुमार की व्यवस्था एवं परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में आयोजित इस बैठक में पति-पत्नी के बीच हुए आपसी पारिवारिक विवादों को सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का सफल प्रयास किया गया। बैठक में कुल 81 पत्रावलियों पर सुनवाई हुई, जिनमें से,30 पत्रावलियों का सुलह-समझौते से पूर्ण निस्तारण किया गया 10 परिवारों को फिर से एकजुट (मिलाप) कराया गया 17 पत्रावलियाँ आवेदक द्वारा आगे बल न देने के कारण बंद की गईं 3 पत्रावलियों में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई। इस अवसर पर विधिक परामर्शदाता एवं काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय, बबीता शर्मा, श्वेता गुप्ता, सीमा आर्य, कंचन महेश्वरी तथा कांस्टेबल शहजाद मलिक, महिला कांस्टेबल ज्योति सहित अन्य पुलिसकर्मी एवं स्टाफ उपस्थित रहे। पुलिस परिवार परामर्श केंद्र के इस प्रयास से कई टूटते परिवारों को बचाने और समाज में सौहार्द बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने सभी काउंसलरों एवं स्टाफ की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए हैं।

सुरजेवाला ने नायब सैनी को घेरा, स्टेडियम मरम्मत के लिए 90 दिन का अल्टीमेटम! बोले- खिलाड़ियों की मौत...

जींद : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला ने शनिवार को जींद में हरियाणा की नायब सैनी सरकार पर जोरदार जुबानी हमला बोला। एक स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ता के पेट्रोल पंप के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुँचे सुरजेवाला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कानून-व्यवस्था से लेकर खिलाड़ियों की मौत और किसानों के मुद्दों पर सरकार को कटघरे में खड़ा किया।

खिलाड़ियों की मौतः 'सिस्टम की हत्या'

सांसद सुरजेवाला ने हरियाणा में हुई खिलाड़ियों की मौतों को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी हार्दिक की मौत केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि "सिस्टम के द्वारा की गई हत्या" है। उन्होंने कहा, "खिलाड़ियों की मौत के मामले में सरकार लीपा-पोथी कर रही है।" रोहतक के संदर्भ में, उन्होंने खेल अधिकारी पर सवाल उठाते हुए कहा कि ड्ड1400 लाख का बजट "क्या अचार डालने वास्ते रखा हुआ है?" सुरजेवाला ने मुख्यमंत्री नायब सैनी को सीधे निशाना बनाया, "हरियाणा में दो खिलाड़ियों की मौत का ज़िम्मेदार बीजेपी सरकार है।

मुख्यमंत्री नायब सैनी सरकार की नाकामियों से पल्ला नहीं झाड़ सकते।" उन्होंने पूछा कि रोहतक में मुख्यमंत्री से मिलने के बावजूद यह हादसा कैसे घटा। कानून-व्यवस्था पर सवालः 85 गैंग एक्टिव सुरजेवाला ने हरियाणा में कानून-व्यवस्था की स्थिति को 'महा जंगल राज' बताते हुए कहा कि राज्य में लगभग 85 गैंग एक्टिव हैं। उन्होंने कहा, "जनता को सुरक्षा देने में सरकार पूरी तरह विफल हो चुकी है। हरियाणा में आज अपराध का शासन है, कानून का नहीं। हरियाणा में राज माफिया लोग कर रहे हैं।"

नायब सैनी की जुबान पर हमला

मुख्यमंत्री नायब सैनी पर कटाक्ष करते हुए, सुरजेवाला ने कहा, "आज मुख्यमंत्री नायब सैनी की जुबान की कोई कीमत नहीं बची है।" उन्होंने मुख्यमंत्री को 90 दिनों का अल्टीमेटम देते हुए मांग की कि वह इस समय सीमा के अंदर हरियाणा के सभी स्टेडियमों की मरम्मत का काम करवाएँ।

किसान और संविधान का मुद्दा

किसानों के मुद्दे पर बोलते हुए सुरजेवाला ने कहा कि किसानों को धान की फसल का कोई मुआवजा नहीं मिला है, और उनकी फसल कम रेट पर खरीदी गई है। उन्होंने वोट के अधिकार और प्रजातंत्र पर बात करते हुए कहा, "वोट चोरी की लड़ाई कांग्रेस की नहीं, जनमत की है। पूरे देश में प्रजातंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई राहुल गाँधी लड़ रहे हैं।"

कैबिनेट मंत्री भूले लालकिले की प्राचीर और महात्मा गांधी का इतिहास...वीडियो वायरल

रोहतक : पलवल के रेलवे स्टेशन पर आत्मनिर्भर भारत विकसित भारत कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की और यात्रियों को स्वदेशी संकल्प पत्रों का वितरण कर स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया। इस दौरान उनके साथ राज्यमंत्री राजेश नागर, जिला अध्यक्ष विपिन बैंसला एवं जिला उपायुक्त डॉ हरीश कुमार वशिष्ठ के अलावा सैकड़ों लोग मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने रेलवे स्टेशन के इतिहास को लेकर बोलते हुए कहा कि यह स्थान अपने आप में ऐतिहासिक है, क्योंकि यही वह स्टेशन है जहां महात्मा गांधी जी को पहली बार राजनीतिक रूप से गिरफ्तार किया गया था। आपको बता दे 10 अप्रैल 1919 को पलवल के

ऐतिहासिक रेलवे स्टेशन पर मोहनदास करमचंद गांधी की सबसे पहले राजनीतिक गिरफ्तारी हुई थी। उसी को याद करते हुए यहां पर एक शिलापट स्थापित किया हुआ है। उन्होंने कहा गांधी जी ने अंग्रेजों को देश से बाहर करने के लिए स्वदेशीह्व का नारा दिया था और आज वही संकल्प वही प्रेरणा हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने एक नए रूप में देशवासियों के सामने रखी है स्वदेशी अपनाओ, विकसित भारत बनाओ। साथ ही आपको बता दें कि इस दौरान पत्रकारों से बात करते हुए कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने एक ऐसा बयान दिया जो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है जिससे मंत्री की किरकिरी हो रही है। इस वीडियो में कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल पत्रकारों द्वारा स्वच्छता को लेकर पूछे गए सवाल में लालकिला की प्राचीर और महात्मा गांधी का इतिहास भूल गए और कहा कि स्वच्छता जरूरी है

अपराध चक्र को बड़ा झटका, 22 दिन में 7500 से अधिक अपराधी पहुंचे सलाखों के पीछे

हरियाणा : हरियाणा में अपराध पर नकेल कसने के लिए चलाए गए विशेष अभियान ऑपरेशन ट्रैक डाउन के तहत मात्र 22 दिनों में हरियाणा पुलिस ने 3066 कुख्यात अपराधियों सहित कुल 7587 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। हरियाणा की मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में ऑपरेशन ट्रैकडाउन के तहत पुलिस ने 305 कुख्यात अपराधियों की पहचान की और 304 को गिरफ्तार कर लगभग 100 प्रतिशत सफलता दर हासिल की। गुरुग्राम में कुल 865 अपराधियों की गिरफ्तारी हुई, जिसमें 74 अपराधी संगठित अपराध से जुड़े थे। अपराध पर और मजबूत पकड़ बनाने के लिए पुलिस ने 81 अपराधियों की हिस्ट्री शीट भी खोली, जिससे भविष्य में अपराधों को रोकने में सहायता मिलेगी। इस अभियान में फरीदाबाद

ने दूसरे स्थान पर रहते हुए 138 कुख्यात अपराधियों को जेल भेजा, जबकि सोनीपत ने 106 गिरफ्तारी कर तीसरा स्थान हासिल किया। इसके अलावा झज्जर में 90 और यमुनानगर में 86 अपराधियों को पकड़ा गया। इन आंकड़ों से साफ है कि अभियान पूरे राज्य में समान तीव्रता और दृढ़ता के साथ चलाया गया। पुलिस ने अपराधियों के हथियार और संसाधनों को भी जब्त किया। अभियान में अब तक 161 देसी कट्टे, 146 पिस्तौल और 537 कारतूस बरामद किए। 12 हजार से से अधिक अवैध शराब की बोतल, 4.5 किलो हेरोइन, 402 किलो चरस, 397 किलो गांजा भी बरामद हुए हैं। एसटीएफ की रणनीतिक सतर्कता के चलते 2 हैंड ग्रेनेड और एक आईईडी भी पकड़ा गया, जिससे बड़ी वारदात टल गई। अपराधियों की आर्थिक शक्ति को खत्म करने के प्रयास में पुलिस ने अब तक 201 अपराधियों की लगभग 168 करोड़ की अवैध संपत्तियों की पहचान की गई। लगभग 24 लाख की संपत्ति अटैच की गई है और 21 लाख की संपत्ति नष्ट की गई। 32 करोड़ 32 लाख रुपये की संपत्ति पर कानूनी प्रक्रिया जारी है। इस मामले में सोनीपत, नूंह, फतेहाबाद और पलवल जिले अग्रणी रहे।

मनीषा मौत मामला : ढाणी लक्ष्मण में धरने की तैयारियों में जुटे ग्रामीण...

भिवानी: मनीषा मौत मामले को लेकर 30 नवंबर को गांव ढाणी लक्ष्मण में प्रस्तावित सांकेतिक धरना और भूख हड़ताल की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को ग्रामीण एकजुट हुए और मुख्य चौक पर धरने की रुपरेखा तय की। इस दौरान मनीषा के पिता संजय भी मौजूद रहे। ग्रामीणों के साथ हुई बैठक में सांकेतिक धरने की तैयारियों पर चर्चा की गई। मनीषा के पिता संजय ने बताया कि धरने में सर्व समाज के सभी लोग शामिल होंगे और इसमें अब तक सीबीआई की जांच पर मंथन किया जाएगा। बैठक में आगे की कार्रवाई के लिए भी रूपरेखा बनाई गई। शुक्रवार को सीबीआई की टीम सिंघानी और आसपास के क्षेत्र में मनीषा की मौत

से जुड़े तथ्य खंगालती रही। 13 अगस्त को मनीषा का शव सिंघानी नहर के पास मिला था। शुक्रवार को सीबीआई ने किन लोगों से पूछताछ की इसकी कोई जानकारी नहीं मिली। हालांकि मनीषा के पिता और ग्रामीण सांकेतिक धरने की तैयारियों में व्यस्त रहे। वीरवार को सीबीआई की टीम मनीषा के घर पहुंची थी जहां परिजनों से पूछताछ की गई थी। मनीषा की मौत पर सांकेतिक धरने की घोषणा के बाद सीबीआई अधिकारियों पर दबाव बढ़ा है। अधिकारियों ने मनीषा के पिता के सामने यह स्पष्ट किया कि इस बार बिना खुलासा टीम वापस नहीं लौटेगी। मनीषा के परिजन शुरू से ही हत्या के पहलू पर जोर दे रहे हैं जबकि पुलिस की जांच में उसकी मौत को आत्महत्या के रूप में दर्ज किया गया था। गांव ढाणी लक्ष्मण में प्रस्तावित सांकेतिक धरना और भूख हड़ताल की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को ग्रामीण एकजुट हुए और मुख्य चौक पर धरने की रुपरेखा तय की। इस दौरान मनीषा के पिता संजय भी मौजूद रहे।ग्रामीणों के साथ हुई बैठक में सांकेतिक धरने की तैयारियों पर चर्चा की गई। मनीषा के पिता संजय ने बताया कि धरने में सर्व समाज के सभी लोग शामिल होंगे और इसमें अब तक सीबीआई की जांच पर मंथन किया जाएगा। बैठक में आगे की कार्रवाई के लिए भी रूपरेखा बनाई गई।

एमडीयू में महिला सफाई कर्मियों से मासिक धर्म का सबूत मांगने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, मांगा जवाब

रोहतक/नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में महिला सफाई कर्मचारियों के साथ हुई कथित अमानवीय घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार, हरियाणा सरकार और अन्य संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि विश्वविद्यालय से जुड़े कुछ व्यक्तियों ने महिला सफाई कर्मचारियों से उनके प्राइवेट पार्ट की तस्वीरें लेकर यह साबित करने के लिए कहा कि वे मासिक धर्म से गुजर रही हैं। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने नोटिस जारी करते हुए कहा कि यह घटना महिलाओं की गरिमा और मानसिकता से जुड़े व्यापक सामाजिक मुद्दे को उजागर करती है। जस्टिस नागरत्ना ने टिप्पणी की कि कर्नाटक जैसे राज्यों में जहां मासिक धर्म अवकाश देने की पहल की जा रही है, वहीं इस तरह की घटनाएं चिंताजनक हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भविष्य में अवकाश देने के लिए भी सबूत मांगे जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने मामले को गंभीर आपराधिक मुद्दा बताते हुए इसकी जांच की मांग की। अब इस मामले में 15 दिसंबर को सुनवाई होगी।

साइबेरियन पक्षियों का सबसे पसंदीदा डेरा बना हथिनीकुंड बैराज, 6000 किलोमीटर की उड़ान भर पहुंचते हैं

यमुनानगर : सर्दी शुरू होते ही हथिनीकुंड बैराज पर प्रवासी पक्षी भी पहुंचने लगे हैं। हर साल जैसे-जैसे सर्दी बढ़ती है, इनकी संख्या में भी इजाफा होता है। हर साल सर्दी के मौसम में यह पक्षी करीब 6 हजार किलोमीटर की यात्रा कर यहां पर पहुंचते हैं। साइबेरिया में इन दिनों तापमान माइनस डिग्री सेल्सियस से भी कम होने के चलते यह पक्षी यात्रा कर हथिनीकुंड बैराज पर पहुंचते हैं। कुंड पर बैठे इन प्रवासियों पक्षियों की आवाज भी दूर-दूर तक सुनाई देती है। हर कोई इन पक्षियों का मनोरम दृश्य देखने के लिए खड़ा हो जाता है। पानी में इनकी कलाबाजियां ऐसी लगती हैं कि जैसे मछलियां पानी में डुबकी लगा रही हों। हालांकि वाइल्ड लाइफ इन साइबेरियन पक्षियों पर खास नजर रखता है और कोई शिकार ना करें इस पर भी पूरा ध्यान दिया जाता है। वन्य प्राणी विभाग के

अधिकारी सुमित कुमार का कहना है कि पिछले लंबे समय से साइबेरियन पक्षी यमुनानगर जिले में खासकर हथिनीकुंड और ताजेवाला हेड की शोभा बढ़ा रहे हैं।

इन पक्षी पर वन्य प्राणी विभाग की खास नजर रहती है। यह पक्षी लंबा सफर तय करके यहां पहुंचते हैं क्योंकि यहां का वातावरण और पानी उन्हें बहुत पसंद है। सर्दी के मौसम में विदेशी साइबेरियन मुरगाबी, पिंन टेल डक, सपोर्ट बिल, हेडेड गूज और कूट आदि प्रवासी पक्षियों का आगमन होता है। जैसे-जैसे ठंड बढ़ेगी वैसे-वैसे प्रवासी पक्षियों की संख्या में इजाफा होगा। इसके बाद पूरी सर्दी में प्रवासी पक्षी नहर इलाकों में देखे जा सकेंगे। करीब 4 महीने तक यह प्रवासी मेहमान यहां रहेंगे।

महेंद्रगढ़ में बुजुर्ग की हत्या, आरोपी बोला- अभी एक को मारा है, पूरे परिवार को खत्म कर दूंगा

महेंद्रगढ़ : हरियाणा में क्राइम का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। महेंद्रगढ़ में बुजुर्ग की बेरहमी से हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि पहले आरोपियों ने गली में खड़े बुजुर्ग को पीटा, इसके बाद उसको गाड़ी से कुचल दिया। हत्या करने के बाद आरोपी मौके से भाग गए। वहीं वारदात के तुरंत बाद बुजुर्ग को वहां से अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। यह वारदात कनीना के गांव नौताना की है। पुलिस को दी गई शिकायत में मृतक के भाई जोगेंद्र ने बताया कि 28 नवंबर की रात करीब 10 बजे उसका भतीजा हैप्पी अपने दोस्तों कुलदीप और नवीन के साथ गांव की मुख्य गली में नरेंद्र के घर के सामने खड़ा था। इसी दौरान गांव के ही युवक कार में वहां पहुंचे। वहां पर नीरज और उसके साथियों ने

हैप्पी, कुलदीप और नवीन पर डंडों से हमला कर दिया। शोर सुनकर जोगेंद्र और उनका बड़ा भाई सूबे सिंह मौके पर पहुंचे। उनकी मौजूदगी देखकर आरोपी वहां से चले गए। थोड़ी देर बाद वही आरोपी दोबारा लौटे। गाड़ी नीरज ही चला रहा था। परिजनों का आरोप है कि उसने सीधे सूबे सिंह पर गाड़ी चढ़ा दी। जिससे वह सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। सूबे सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। आरोपियों ने टक्कर मारने के बाद गाड़ी पीछे ली और जोगेंद्र को धमकी दी कि अब तक एक को मारा है, अभी पूरे परिवार को खत्म कर दूंगा।

किसान परिवार की बेटी संग सात फेरे लेंगे ओलंपियन रवि दहिया,आज दिल्ली में हो रही सगाई

सोनीपतः टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाने वाले ओलंपियन पहलवान रवि दहिया अब जीवन के नए सफर की शुरूआत करने जा रहे हैं। रवि कल गांव बिलबिलान की रहने वाली किसान परिवार की प्रतिभाशाली बेटी रिचा संग सात फेरे लेंगे। रिचा इस समय स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रही हैं और अपने सशक्त व्यक्तित्व, सरल स्वभाव व शिक्षा के प्रति समर्पण के लिए जानी जाती हैं। रवि दहिया की आज सगाई को रस्म आज दिल्ली के आज निजी गार्डन में सगाई की रस्म निभाई जा रही है,परिवार, रिश्तेदारों और ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। दहिया परिवार के अनुसार विवाह के कार्यक्रम को लेकर सभी में उत्साह है और गांव में रौनक दिखने लगी है। रवि दहिया की सगाई की रस्म आज होगी। वहीं कल वह बरात लेकर बिलबिलान जाएंगे। रवि दहिया ने छत्रसाल स्टेडियम से लेकर ओलंपिक के मैट तक अपने प्रदर्शन से देश का नाम रोशन किया। वह अब दिल्ली सरकार में खेल निदेशक के पद पर

कार्यरत है। अब अपनी जीवनसंगिनी के रूप में किसान परिवार की होनहार बेटी को अपनाने जा रहे हैं।रवि बचपन में खेत के पास बने अखाड़े में कच्ची मिट्टी पर खूब दांव-पेच आजमाते थे। उनकी फुर्ती ने गांव के वरिष्ठ पहलवान और कोच हंसराज का ध्यान खींचा, जिन्होंने उसे विधिवत प्रशिक्षण देना शुरू किया था। इसके बाद रवि को दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम भेजा गया, जहां योगेश्वर दत्त और सुशील कुमार जैसे दिग्गजों को देखकर उसके भीतर बड़ा मुकाम हासिल करने की इच्छा और प्रबल होती गई। रवी दहिया ने कहा कि वह अपने जीवन की एक नई शुरूआत करने जा रहे हैं और कुश्ती शादी के बाद भी जारी रहेगी। रवि दहिया के पिता राकेश दहिया ने बताया कि एक साधारण किसान परिवार की बेटी से शादी की जा रही है। बेटे की शादी दहेज मुक्त है ड्ड1 का रिश्ता लेकर शादी की जा रही है। रवि की होने वाली पत्नी रिचा अभी पढ़ाई कर रही हैं। रवि ने टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीता था। उसके साथ ही वह विश्व कुश्ती चैंपियनशिप, एशियन चैंपियनशिप, कॉमनवेल्थ खेलों समेत कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का परचम लहरा चुके हैं।

खबर एक्सप्रेस

क्रूज गाड़ी में की जा रही थी शराब की तस्करी, 20 पेटियां अवैध शराब बरामद

पंचकूला : पिंजौर स्थित सुखोमाजरी बाईपास फ्लाईओवर के पास डिटेक्टिव स्टाफ पंचकूला की टीम ने बड़ी कार्रवाई की। टीम ने अवैध शराब से भरी कार को काबू किया है। पुलिस ने मौके से हिमाचल स्थित सोलन जिले के गांव नानोवाल टरियां निवासी मनीष कुमार काबू किया है। बता दें कि डिटेक्टिव स्टाफ के एएसआइ सुखचैन सिंह अपनी टीम के साथ गश्त पर थे। तभी सूचना मिली कि आरोपित मनीष अपनी कार में चंडीगढ़ से अवैध शराब लोड करके हिमाचल ले जाने वाला है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। पुलिस ने गाड़ी रोकी। वाहन चालक ने अपना नाम मनीष कुमार बताया। तलाशी में गाड़ी की डिग्गी से कुल 20 पेटियां अवैध शराब बरामद हुईं। इनमें देसी और अंग्रेजी शराब के अलावा बीयर भी शामिल थी। पुलिस ने बताया कि टीम को गाड़ी से 12 पेटी देसी शराब एंपायर नंबर-1 मोटा संतरा (144 बोतलें), 3 पेटी किंगफिशर स्ट्रांग बीयर (36 बोतलें), 2 पेटी देसी शराब अध्धा एंपायर नंबर-1 मोटा संतरा (48 अध्धा), 3 पेटी देसी शराब पव्वा एंपायर नंबर-1 मोटा संतरा (150 पव्वे) शामिल थे।

डीएचबीवीएन कर्मचारियों के कहने पर खंभे पर चढ़ा प्राइवेट इलेक्ट्रीशियन, करंट लगने से हुई मौत

गुड़गांवः बिजली की लाइन में हुए फाल्ट को रिपेयर करने के लिए बिजली निगम के कर्मचारियों ने एक प्राइवेट इलेक्ट्रीशियन को खंभे पर चढ़ा दिया। बिजली की लाइन से करंट लगने से उसकी मौत हो गई जिसके बाद गुस्साए ग्रामीणों ने बिजली निगम कर्मचारियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। ग्रामीणों ने बिजली निगम के कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सोहना सदर थाना पुलिस को शिकायत देकर बिजली निगम कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस के मुताबिक, सोहना के गांव सांचौली में 28 नवंबर की रात को बिजली की लाइन में फाल्ट आ गया था। ऐसे में लोगों ने इसकी शिकायत बिजली निगम में दी। बताया जा रहा है कि बिजली निगम के लाइनमैन नवीन ने स्वयं मौके पर आने की बजाय गांव भिरावटी के रहने वाले हरपाल (31) को मौके पर जाकर फाल्ट ठीक करने के लिए कह दिया। आरोप है कि जब हरपाल बिजली की 11 हजार केवी की लाइन पर काम करने के लिए गया तो उस वक्त बिजली निगम के कर्मचारियों ने लाइन से करंट नहीं काटा। ऐसे में हरपाल जब फाल्ट रिपेयर करने के लिए खंभे पर चढ़ा तो उसे करंट लग गया और वह नीचे आ गिरा जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, आज ग्रामीण मौके पर एकत्र हुए। उन्होंने कहा कि बिजली निगम के लाइनमैन नवीन व फोरमैन उस्मान द्वारा बिजली के फाल्ट रिपेयर कराने के लिए हरपाल को ही बुलाया जाता था। ऐसे में यह घटना बिजली निगम के कर्मचारियों के कारण ही घटित हुई है। इस पर ग्रामीणों ने बिजली निगम के कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं, सोहना सदर थाना प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया जाएगा। जांच के दौरान जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

एचआईवी के मरीजों को लेकर सरकार की बड़ी पहल, अब सुनवाई होगी आसान... जानें कैसे

चंडीगढ़ः राज्य में एचआईवी पॉजिटिव के इलाज के लिए नियम बनाए गए हैं। खास बात यह है कि सरकार ने मरीजों के मामले की सुनवाई के लिए डिविजनल कमिश्नर को लोकपाल की पावर दी है। कैबिनेट में मुहर लगने के बाद अब इसकी अधिसूचना जारी कर दी गई है। सब सेंटर से लेकर पीएचसी, सीएचसी, जिला अस्पताल, मेडिकल कॉलेज तक में निशुल्क इलाज होगा। जांच की सुविधा निशुल्क होगी। मरीजों को बिना किसी भेदभाव के इलाज के लिए निजी अस्पतालों को भी जोड़ा गया है। निजी अस्पतालों में मरीज की पहचान छिपाकर रखनी होगी। निजी अस्पताल ऐसे मरीजों की सूचना पास के सरकारी अस्पताल में देंगे। लोकपाल के पास आपात स्थिति में सभी पक्षकारों को सुने बिना आदेश पारित करने की शक्ति होगी। साथ ही मरीज को भी सूचना दी जाएगी। लोकपाल एचआईवी पॉजिटिव मरीजों के अधिकारों की रक्षा करेंगे

आतंकी शाहीन के फ्लैट से 18.50 लाख रुपए मिले, सोने के बिस्कुट व गहने बरामद

फरीदाबाद : दिल्ली धमाके के बाद आतंकी मॉडयूल की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है। केस में नए खुलासे हो रहे हैं। जांच के लिए एनआईए की टीम लेडी आतंकी डॉक्टर शाहीन को लेकर फरीदाबाद पहुंची। टीम को शाहीन के फ्लैट से भारी मात्रा में नकदी, सोने के गहने और विदेशी मुद्रा बरामद हुई। फ्लैट में पैकेट बना रखे थे 18.50 लाख रुपए एनआईए की टीम ने फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी के फ्लैट नंबर-32 में शाहीन की अलमारी का लॉक खुलवाया, यहां कई पैकेट रखे हुए थे। इन पैकेटों में 500-500 के नोट रखे गए थे। सभी पैकेट को खोलकर गिनती करने पर 18.50 लाख रुपए बरामद हुए। इसके अलावा दो सोने के बिस्कुट और गहने भी मिले। सोने का वजन करीब 300 ग्राम था। इसके साथ ही शाहीन की अलमारी से सऊदी अरब में अन्य देशों की करेंसी भी मिली। शाहीन के फ्लैट के अलावा एडमिन ब्लॉक में भी उसके नाम से एक लॉकर था। जांच में टीम को दस्तावेज मिले है। एनआईए की करीब 25 सदस्यों की टीम डॉक्टर शाहीन के साथ आई थी। टीम में महिलाएं अधिकारी भी शामिल थी। नोट गिनने की मशीन ना होने के कारण टीम ने हाथ से ही पैसे को गिना और डिजिटल मशीन से सोने का वजन किया गया।

हरियाणा में इन कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी, बढ़ेगी सैलरी

चंडीगढ़ : हरियाणा में सरकारी कर्मचारियों को लेकर अच्छी खबर आ रही है। वित्त विभाग के चीफ सेक्रेटरी अनुराग रस्तोगी द्वारा अलग- अलग लेटर जारी किए गए हैं जिनमें बताया गया है कि जिन सीनियर कर्मचारियों को अपने कनिष्ठ (जूनियर) से कम वेतन मिल रहा है, उन्हें वेतन बढ़ोतरी की सौगात मिलेगी। यदि जूनियर कर्मचारी को किसी व्यक्तिगत कारण से ज्यादा वेतन प्राप्त हो रहा है, तो वरिष्ठ कर्मचारी के वेतन में बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। प्रदेश सरकार ने वरिष्ठ कर्मचारियों के वेतन तथा एश्योर्ड करियर प्रमोशन (एसीपी) को कनिष्ठ कर्मचारियों के समान स्टेपिंग- अप (वेतन में बढ़ोतरी) करने तथा वित्तीय शक्तियां री- डेलीगेट करने को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि सीनियर कर्मचारी का वेतन जूनियर कर्मचारी के बराबर तभी स्टेपिंग- अप किया जा सकता है, जब सीनियर कर्मचारी एचसीएस (एसीपी) नियम-2016 के तहत एसीपी के पात्र हों।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के राष्ट्रपति ने 5 मार्च को होने वाले चुनावों के लिए सेना की तैनाती को मंजूरी दी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने गुरुवार को कैबिनेट के फैसले और प्रधानमंत्री की सिफारिश को मंजूरी दे दी, जिसमें अगले साल 5 मार्च को होने वाले संसदीय चुनावों के लिए नेपाली सेना को जुटाने की बात कही गई थी। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने 24 नवंबर को हुई कैबिनेट बैठक के अनुरूप यह सिफारिश भेजी थी। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति ने चुनाव सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सेना तैनात करने के सरकार के फैसले का समर्थन किया।

श्रीलंका : 11 दिन से मूसलाधार बारिश व भूस्खलन, 31 की मौत

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में बीते 11 दिन से जारी मूसलाधार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण 31 लोगों की मौत हो गई है। इन घटनाओं में करीब 4,000 लोग प्रभावित हुए हैं। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र ने बृहस्पतिवार को कहा कि अकेले मध्य पर्वतीय जिलों में 18 लोगों की मौत होने की जानकारी मिली है। एक भयावह घटना में, कुंबुक्कना में बढ़ते जलस्तर के बीच एक यात्री बस फंस गई, जिसके बाद आपात दलों ने 23 यात्रियों को बचाया। अडाडेराना समाचार पोर्टल के मुताबिक, करीब 10 लोग घायल हुए हैं जबकि 14 लोग लापता बताए जा रहे हैं।

भारतीय दूत क्वात्रा का अमेरिकी मंत्री से व्यापार समझौते पर जोर

मियामी, एजेंसी। द. अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने अगले साल मियामी में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में उनके देश को आमंत्रित न करने के अमेरिका के कदम को अफसोसजनक बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति रामफोसा और उनके प्रशासन द्वारा अमेरिका के साथ राजनयिक संबंधों को फिर से स्थापित करने के अनेक प्रयासों के बावजूद, राष्ट्रपति ट्रंप हमारे देश के बारे में गलत सूचनाओं-विकृतियों के आधार पर दंडात्मक उपाय लागू करना जारी रखे हुए हैं।

चुनाव से पहले म्यांमार सेना ने 8,665 लोगों को दी माफी

नाएप्यीडॉ, एजेंसी। म्यांमार की सैन्य सरकार ने आगामी चुनाव से पहले कुल 8,665 लोगों को माफी देने की घोषणा की है। इसमें दोषी ठहराए गए 3,085 लोगों की सजा कम करना और फरार 5,580 लोगों के खिलाफ केस खत्म करना शामिल है। हालांकि, कितने राजनीतिक बंदियों को रिहा किया जाएगा, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। सेना का दावा है कि यह कदम स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए है, जबकि पश्चिमी देशों और मानवाधिकार समूहों ने चुनाव को पहले ही ढोंग बताया है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में खदान विस्फोट में दो की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर जिले में छोड़ी गई लैंडमाइन फटने से दो लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना जननत शाह क्षेत्र (चर्मंग तहसील) में बुधवार शाम हुई, जब तीन लोग वहां से गुजर रहे थे। मृतकों की पहचान 18 वर्षीय शमशाद और 22 वर्षीय उस्मान के रूप में हुई। अधिकारियों ने इसे क्षेत्र की शांति भंग करने की साजिश बताया और विस्फोटक लगाने वालों की तलाश के लिए खोज अभियान शुरू किया।

व्हाइट हाउस के पास हमले में महिला सैनिक की मौत

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका में व्हाइट हाउस के पास बुधवार को हुए हमले में घायल महिला नेशनल गार्ड सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को यह जानकारी दी। ट्रम्प ने बताया कि दूसरे सैनिक एंड्रयू वॉल्फ की हालत सीरियस है। दोनों वेस्ट गार्ड्स वर्जीनिया नेशनल गार्ड से जुड़े थे और अगस्त की शुरुआत में एक सुरक्षा मिशन पर वॉशिंगटन डीसी भेजे गए थे। ट्रम्प ने कहा- 'सारा अब हमारे बीच नहीं हैं और उनके माता-पिता इस समय बेहद दुख में हैं। बेकस्ट्रॉम प्रतिभाशाली नेशनल गार्ड थीं।' सारा जून 2023 में मिलिट्री पुलिस यूनिट में भर्ती हुई थीं। एक अफगानिस्तानी हमलावर ने कल फैरागट वेस्ट मेट्रो स्टेशन के पास सारा को सीने और सिर में गोली मारी थी। इसके बाद उसने एंड्रयू पर फायर किया था। उसी समय पास ही मौजूद तीसरे गार्ड ने चार गोलियां चलाई, जिसके बाद हमलावर को काबू कर लिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एंड्रयू वॉल्फ का गंभीर हालत में इलाज जारी है। वॉल्फ फरवरी 2019 में एयर नेशनल गार्ड में शामिल हुए थे। उन्हें अपनी सर्विस के दौरान कई मेडल भी मिल चुके हैं। ट्रम्प ने बताया कि उन्हें इस हमले के बारे में ठीक उस समय पता चला जब वे थैंक्सगिविंग के मौके पर अमेरिकी सैनिकों को वीडियो कॉल करने वाले थे।

इमरान खान के बेटे को भी होने लगा शक, कासिम ने पाकिस्तान से मांगे जिंदा होने के सबूत

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के छोटे बेटे कासिम खान ने सार्वजनिक रूप से सरकार पर अपने पिता को पूर्ण एकांत में रखने और परिवार के किसी भी सदस्य से मिलने से रोकने का आरोप लगाया है। कासिम ने एक्स पर एक पोस्ट में चेतावनी दी है कि परिवार के पास उनके पिता के जीवित होने का कोई प्रमाण नहीं है। उन्होंने जेल के अधिकारियों को उनकी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार ठहराया है। आपको बता दें कि कासिम खान आमतौर पर फ्रंट-लाइन की राजनीति से दूर रहते हैं। उन्होंने अपने पिता की हिरासत के बारे में चौंकाने वाले विवरण दिए हैं। उन्होंने कहा कि उनके पिता 845 दिनों से गिरफ्तार हैं। पिछले छह हफ्तों से उन्हें जीरो पारदर्शिता के साथ फांसी की सजा वाले कैदियों के लिए बनी कोठरी में एकांत कारावास में रखा गया है। एक महीने से अधिक समय से परिवार के मिलने पर अघोषित प्रतिबंध लगा हुआ है। अदालत के आदेशों के बावजूद, उनकी बहनों को हर बार मुलाकात करने से रोका गया है। उन्होंने कहा, ' मेरे पिता इमरान खान कोई फोन कॉल नहीं, कोई मुलाकात नहीं और जीवित होने का कोई प्रमाण नहीं है।' उन्होंने और उनके भाई सुलेमान ने एक महीने से अधिक समय से अपने पिता से संपर्क नहीं किया है। कासिम ने इस सूचना ब्लैकआउट को जानबूझकर इमरान खान की स्थिति को छिपाने और अपने परिवार को यह जानने से रोकने का प्रयास बताया कि वह सुरक्षित हैं। कासिम ने पाकिस्तानी सरकार और उसके हैंडलर्स को चेतावनी दी है कि उन्हें मेरे पिता की सुरक्षा और इस अमानवीय अलगाव के हर परिणाम के लिए कानूनी, नैतिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूरी तरह से जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन्होंने वैश्विक संस्थानों से तत्काल हस्तक्षेप का आग्रह किया है। कासिम ने कहा, 'अंतर्राष्ट्रीय समुदाय, वैश्विक मानवाधिकार संगठनों और हर लोकतांत्रिक आवाज से मेरा आग्रह है कि वे तत्काल हस्तक्षेप करें। जीवित होने का प्रमाण मांगें, अदालत द्वारा दिए गए आदेश को लागू कराएं, इस अमानवीय अलगाव को समाप्त करें और पाकिस्तान के सबसे लोकप्रिय राजनीतिक नेता की रिहाई की मांग करें, जिन्हें केवल राजनीतिक कारणों से जेल में रखा गया है। ' इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने इन अफवाहों के बीच आधिकारिक प्रतिक्रिया और तत्काल परिवार को मिलने देने की मांग की है। हालांकि, पाकिस्तानी प्रशासन और सरकार ने आरोपों का खंडन किया है। अडियाला जेल प्रशासन ने इमरान खान के ठिकाने बदलने या उन्हें नुकसान पहुंचाने की अटकलों को खारिज कर दिया और कहा कि वह पूरी तरह से स्वस्थ हैं और उन्हें पूरा चिकित्सा ध्यान मिल रहा है। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने जोर देकर कहा कि पीटीआई संस्थापक को अधिकांश कैदियों की तुलना में बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने दावा किया कि इमरान को ऐसा भोजन मेनू मिल रहा है जो फाइव-स्टार होटल में भी उपलब्ध नहीं है। साथ ही टेलीविजन, व्यायाम उपकरण और एक मखमल का गद्दा भी दिया गया है। इमरान खान की तीन बहनों और पीटीआई कार्यकर्ताओं ने बुधवार को अदियाला जेल के बाहर मुलाकात की मांग को लेकर धरना दिया। जेल अधिकारियों ने अलीमा खान को आश्वासन दिया कि मुलाकात की व्यवस्था की जाएगी, जिसके बाद विरोध समाप्त हो गया। बहनों को आज और मंगलवार को उनसे मिलने की अनुमति मिलने की उम्मीद है।

दावा- सेना के आदेश पर किया गया हमला : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह कार्रवाई सेना के निर्देश पर की गई। जेल परिसर के बाहर भारी सुरक्षा तैनात थी और पीटीआई समर्थकों की भीड़ लगातार बढ़ रही थी। जब ख्क्क के मुख्यमंत्री अफरीदी गुरुवार को खुद जेल पहुंचे, तो हालात बिगड़ गए। पुलिस ने उन्हें और उनके साथ आए नेताओं को आगे बढ़ने से रोक दिया। धक्का-मुक्की के दौरान पुलिसकर्मियों ने सीएम को लात-घूंसे भी मारे और जमीन पर गिरा दिया। क्ष्ड्ढ ने इस घटना को लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया है।

अफरीदी ने बड़े विरोध-प्रदर्शन की धमकी दी : सुहैल अफरीदी का कहना है कि सरकार को इमरान खान की सेहत और सुरक्षा को लेकर उठे सभी सवालों के सही जवाब देने होंगे। अगर ऐसा नहीं किया गया तो वे जनता के साथ सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर हो जाएंगे। अफरीदी ने आरोप लगाया कि सरकार इमरान खान की हालत की सही जानकारी नहीं दे रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इमरान खान की कुछ हुआ तो इसके नतीजे की जिम्मेदारी पूरी तरह मौजूदा सरकार पर होगी।

उन्होंने पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर पर तंज करते हुए कहा कि देश के बिगड़ते हालात के लिए वही जिम्मेदार हैं। अफरीदी का कहना है कि इमरान खान तक पहुंच रोकना और उनकी सेहत की जानकारी छिपाना जनता के भरोसे के साथ खिलवाड़ है।

ऑस्ट्रेलिया में शार्क ने मचाया कोहराम; एक महिला को उतारा मौत के घाट, दूसरा शख्स गंभीर रूप से घायल

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर स्थित एक राष्ट्रीय उद्यान के समुद्र तट पर गुरुवार सुबह शार्क ने दो लोगों पर हमला कर दिया। इस हमले में एक महिला की मौत हो गई और एक पुरुष गंभीर रूप से घायल हुआ। पुलिस के अनुसार यह हादसा सुबह करीब 6:30 बजे हुआ। यह घटना क्राउडी बे नेशनल पार्क के काइलिज बीच पर हुई, जो सिडनी से लगभग 360 किलोमीटर उत्तर में है और बीच कैम्पिंग, मछली पकड़ने तथा ट्रैकिंग के लिए मशहूर है।

इलाके के सभी समुद्र तट अनिश्चितकाल के लिए बंद : इस हमले के बाद इलाके के सभी समुद्र तटों को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है। पुलिस चीफ इंस्पेक्टर टिमोथी बेली ने बताया कि दोनों पीड़ित एक-दूसरे को जानते थे और तैराकी के लिए पानी में उतरे थे, तभी शार्क ने हमला कर दिया।

घायल जोड़े की एक राहगीर ने की मदद : इस घटना के बाद एक राहगीर ने घायल जोड़े की मदद की। लेकिन महिला को बचाया नहीं जा सका और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुरुष के पैर पर गंभीर चोटें आई हैं और उसे हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया। उसकी हालत गंभीर लेकिन स्थिर बताई जा रही है। पैरामेडिक जोश स्माइथ ने बताया कि राहगीर की तरफ से बनाया गया अस्थायी टूरनीकेट शायद पुरुष की जान बचाने में मददगार साबित हुआ। उन्होंने कहा, 'जिस व्यक्ति ने घटना के बाद तुरंत प्राथमिक उपचार दिया, उसने पुरुष के जीवन को बचाने में अहम भूमिका निभाई।'

शार्क की हुई पहचान, पकड़ने की कोशिश जारी : सरकारी अधिकारियों ने बताया कि वैज्ञानिकों ने हमले में शामिल शार्क को बड़ा बुल शार्क पहचान लिया है। शार्क को पकड़ने के लिए समुद्र में पांच ड्रमलाइन लगाई गई हैं। पहले से भी पास के मैक्वेरी और फॉर्स्टर समुद्र तटों पर ऐसी व्यवस्था मौजूद थी। शार्क विशेषज्ञ गैविन नेलर ने कहा कि एक ही शार्क का दो लोगों पर हमला करना बेहद दुर्लभ होता है। उन्होंने बताया कि 'शार्क हमले अपने-आप में दुर्लभ हैं, और एक ही शार्क द्वारा दो लोगों पर हमला होना और भी अनोखी घटना है।' पीड़ितों की पहचान जारी नहीं की गई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार दोनों यूरोपीय पर्यटक थे।

'नेशनल गार्ड्स पर हमला करने वाला पागल हो गया था', रिपोर्टर पर भड़के ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अफगानिस्तान मूल के व्यक्ति द्वारा नेशनल गार्ड्स पर किए गए हमले को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप खासे नाराज हैं। इसे लेकर ट्रंप ने पूर्ववर्ती बाइडन सरकार पर निशाना साधना शुरू कर दिया है क्योंकि बाइडन सरकार की पुनर्वास नीति के तहत ही हमलावर रहमानुल्ला लकनवाल अमेरिका आया था। व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि हमलावर पागल हो गया था। साथ ही उन्होंने कहा कि इस तरह के लोगों के साथ ऐसी घटनाएं होती रहेंगी।

ट्रंप ने बाइडन सरकार की नीति की आलोचना की : ट्रंप ने कहा कि बाइडन सरकार की 'ऑपरेशन अलाइस वेलकम' नीति के तहत संदिग्ध लोग अमेरिका में आ गए हैं। बाइडन सरकार ने अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद इस नीति की शुरुआत की थी, जिसके तहत कई अफगान नागरिकों को अमेरिका में शरण दी गई थी। ट्रंप ने नीति की आलोचना करते हुए कहा कि वॉशिंगटन डीसी के हमलावर जैसे कई अन्य लोग इस देश में आ गए हैं। हम उन सभी को बाहर निकालेंगे। इस दौरान एक रिपोर्टर ने कहा कि अमेरिका आए अफगान नागरिक सुरक्षा जांच के बाद ही यहां आए हैं। इस पर ट्रंप ने नाराज होते हुए कहा कि इन लोगों के साथ कई ऐसे भी लोग यहां आ गए हैं, जिन्हें यहां नहीं होना चाहिए था। इसके बाद ट्रंप ने रिपोर्टर को लगभग डांटते हुए कहा कि 'क्या आप मूर्ख हैं? आप ऐसे सवाल पूछ रहे हैं क्योंकि आप बेवकूफ हैं।'

हमले में घायल एक सैनिक की मौत : राष्ट्रपति ट्रंप ने साथ ही बताया कि हमले में घायल नेशनल गार्ड्स की सैनिक साराह बैकस्ट्रोम की मौत हो गई है। वहीं दूसरा सैनिक अपनी जिंदगी के लिए लड़ रहा है। ट्रंप ने बैकस्ट्रोम की तारीफ की और उसे युवा, सम्मानित और शानदार व्यक्ति बताया। ट्रंप ने कहा कि जिस जानवर ने नेशनल गार्ड्स के दो सैनिकों को गोली मारी, उसे इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। हमले के तुरंत बाद ही हमलावर रहमानुल्ला लकनवाल को गिरफ्तार कर लिया गया था।

फ्रांस में भी अग्निवीर: मैक्रों ने की 10 महीने की नई स्वैच्छिक सैन्य सेवा योजना की घोषणा, भर्ती होंगे युवा

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को नई राष्ट्रीय सैन्य सेवा पहल की घोषणा की। यह पहल इसलिए की गई है, क्योंकि फ्रांस अपने सशस्त्र बलों को मजबूत करना चाहता है, ताकि यूरोपीय देशों पर रूस के बढ़ते खतरे का सामना किया जा सके।

मैक्रों ने घोषणा की कि 18 और 19 साल के स्वयंसेवक अगले साल 10 महीने की नई सैन्य सेवा योजना में शामिल होना शुरू करेंगे। फ्रैंच आल्प्स में वार्सेस सैन्य अड्डे पर अपने संबोधन में मैक्रों ने कहा कि अगले गर्मियों से एक नई राष्ट्रीय सेवा योजना धीरे-धीरे शुरू की जाएगी। इसमें युवा स्वयंसेवक केवल के के प्रमुख क्षेत्रों में ही सेवा नहीं करेंगे, बल्कि विदेश में भी फ्रांसीसी सैन्य अभियानों में भाग लेंगे। इस साल की शुरुआत में मैक्रों ने फ्रांसीसी युवाओं को सैन्य सेवा में स्वेच्छा से भाग लेने का नया विकल्प देने की अपनी योजना की घोषणा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि फ्रांस में 1996 में खत्म हो चुकी अनिवार्य सैन्य सेवा को फिर से लागू करने का विचार नहीं है। उन्होंने बताया कि रूस का यूक्रेन पर आक्रमण यूरोप के लिए 'बड़े खतरे' का संकेत है, इसलिए फ्रांस अपनी रक्षा को मजबूत करना चाहता है। मैक्रों ने रेडियो आरटीएल को मंगलवार को बताया, जिस दिन आप रूस के प्रति कमजोरी का संकेत देंगे, जिसने पिछले 10 वर्षों में फिर से एक साम्राज्यवादी ताकत बनने का रणनीतिक फैसला लिया है, यानी जहां भी हम कमजोर हैं, वहां वह आगे बढ़ेगा..वह आगे बढ़ता रहेगा।

ईयू के देशों में फ्रांस की सेना दूसरी सबसे बड़ी : मैक्रों ने अगले दो वर्षों में अतिरिक्त सैन्य खर्च के रूप में 6.5 बिलियन यूरो (7.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर) की घोषणा की। उन्होंने कहा कि फ्रांस 2027 में वार्षिक रक्षा खर्च में 64 बिलियन यूरो खर्च करने का लक्ष्य रखेगा, जो उनके दूसरे कार्यकाल का अंतिम वर्ष होगा। यह 2017 में राष्ट्रपति बनने के समय 32 बिलियन यूरो के वार्षिक खर्च का दोगुना होगा। फ्रांस की सेना में वर्तमान में करीब दो लाख सक्रिय सैन्य कर्मी और 40 हजार से अधिक आरक्षित कर्मी हैं, जो इसे यूरोपीय संघ (ईयू) में पोलैंड के बाद दूसरी सबसे बड़ी सेना बनाते हैं। फ्रांस 2030 तक आरक्षित कर्मियों की संख्या एक लाख तक बढ़ाना चाहता है।

फ्रांस के नए सेना प्रमुख के बयान से क्यों हुआ विवाद : फ्रांस के नए सेना प्रमुख जनरल फेबियन मंडॉन ने पिछले हफ्ते चेतावनी दी कि देश को रूस के संभावित संघर्ष की स्थिति में 'अपने बच्चों के बलिदान की तैयारी' करनी होगी। उनके इन शब्दों से विवाद भी खड़ा हुआ। जनरल मंडॉन ने कहा कि रूस ने 2008 में जॉर्जिया के 20 फीसदी क्षेत्र, 2014 में यूक्रेन का क्रीमिया और 2022 में यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण किया। दुर्भाग्य से, आज रूस 2030 तक हमारे देशों के साथ टकराव की तैयारी कर रहा है। वह इसके लिए खुद को संगठित कर रहा है और आश्वस्त है कि इसके अस्तित्व का दुश्मन उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) है। मैक्रों ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय सैन्य सेवा के स्वयंसेवकों को अग्रिम मोर्चे पर नहीं भेजा जाएगा। उन्होंने कहा, हमें किसी भी भ्रम को तुरंत दूर करना चाहिए कि हम अपने युवाओं को यूक्रेन भेजने जा रहे हैं।

बिल्लियों के आतंक से परेशान हुआ न्यूजीलैंड, अब 25 लाख को मारने की तैयारी, सरकार ने बनाई योजना

वेलिंग्टन, एजेंसी। जैव विविधता के लिए मशहूर न्यूजीलैंड पिछले कुछ समय से फेरल (जंगली) बिल्ली के आतंक से परेशान है। ऐसे में इससे छुटकारा पाने के लिए पूरे देश में इनके खात्मे की योजना बना रहा है। इस योजना का लक्ष्य आगामी ढाई दशक में न्यूजीलैंड से इन जंगली बिल्लियों को पूरी तरह से खत्म करना है। संरक्षण मंत्री तमा पोटाका ने फेरल बिल्लियों को स्टोन कोल्ड किलर्स शब्द से परिभाषित करते हुए कहा कि इन्हें प्रिडेटर फ्री 2050 की सूची में शामिल किया जाएगा। लोगों की जिज्ञासा को शांत करने के लिए उन्होंने कहा कि इस हमारा लक्ष्य केवल इन जंगली बिल्लियों को खत्म करना है, घरेलू बिल्लियां इससे बाहर हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, पोटाका ने फेरल बिल्ली के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह बिल्लियां हमारी घरेलू बिल्लियों से अलग होती हैं। यह इंसान का संपर्क बर्दाश्त नहीं करती हैं। यह जरूरत से ज्यादा शिकार करना पसंद करती है। इसकी वजह से इसने कई प्रजातियों को नष्ट कर दिया है। इनका आतंक इस कदर है कि न्यूजीलैंड में अब देशी प्रजाति की बिल्लियां न के बराबर रह गई हैं। पोटाका ने बताया कि इन बिल्लियों ने स्टुअर्ट द्वीप पर दक्षिणी डॉटरेल पक्षी का लगभग जड़ से मिटा दिया है, वहीं उत्तरी द्वीप के ओहाकुने इलाके में पिछले एक हफ्ते में इन्होंने 100 से ज्यादा चमगादड़ों की हत्या की है। मंत्री ने कहा कि न्यूजीलैंड अनोखी जलवायु और जैव विविधता वाला देश है। यहां पर कई ऐसी प्रजातियां मिलती हैं, जो दुनिया में कहीं भी नहीं मिलतीं। ऐसे में उन्हें बचाने के लिए इन शिकारी बिल्लियों पर नियंत्रण लगाना आवश्यक है। आपको बता दें न्यूजीलैंड में करीब 25 लाख से अधिक जंगली बिल्लियां रहती हैं। यह बिल्लियां घरेलू बिल्लियों से थोड़ी बड़ीं और 7 किलो के वजह की हो सकती हैं। न्यूजीलैंड में इनकी बढ़ती संख्या की वजह से यह बहुतायत में मिल जाती हैं। जंगलों से लेकर खेतों तक यह हर जगह नजर आती हैं। इसके अलावा इन बिल्लियों को रोगजनक भी माना जाता है। पोटाका ने कहा कि यह बिल्ली टॉक्सोप्लाजमोसिस नामक बीमारी फैलाती है, जो इंसानों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालती है और इसके अलावा दुधारू पशुओं को भी नुकसान पहुंचाती है। इन्हीं कारणों की वजह से इन्हें प्रिडेटर फ्री 2050 की सूची में शामिल किया गया है। गौरतलब है कि न्यूजीलैंड की सरकार ने यह कार्यक्रम अपने यहां की जैव विविधता के लिए खतरा बनने वाली आक्रामक प्रजातियों को खत्म करने के लिए बनाया था।

पाकिस्तान से बढ़ रही रूस की करीबी?: दोनों देशों में व्यापार-ऊर्जा सहयोग पर सहमति

इस्लामाबाद, एजेंसी। रूस और पाकिस्तान के बीच व्यापार, ऊर्जा, तकनीक, शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कृति समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने को लेकर सहमति बनी है। दोनों देशों ने इस बीच कई अहम ज्ञापन समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए। बताया गया है कि दोनों देशों के बीच यह समझौते पाकिस्तान-रूस अंतरसरकारी आयोग (आईजीसी) की 10वीं बैठक में हुए। बैठक की सह-अध्यक्षता पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्री अवैस लेघारी और रूस के मंत्री सर्गेई सिविलेव ने की। पाकिस्तान के द डॉन अखबार के मुताबिक, दोनों देशों के बीच जिन तीन अहम एमओयू पर हस्ताक्षर हुए, उनमें- गुणवत्ता मानकों, एकाधिकार-विरोधी नियामक और मीडिया और पेशेवर क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के एमओयू शामिल रहे। इसके अलावा दोनों पक्षों ने व्यापार बढ़ाने, निर्यात पोर्टफोलियो में विविधता लाने और व्यापारिक संपर्क मजबूत करने को लेकर हुई चर्चाओं पर भी संतुष्टि जताई। पाकिस्तानी कपड़ा उद्योग, खेल उत्पाद, आईटी सेवाएं, इंजीनियरिंग उत्पाद और कृषि वस्तुओं को रूस में बेहतर बाजार पहुंच दिलाने पर भी बात हुई। इसी के साथ दोनों ने माल ढुलाई के लिए संचालन व्यवस्था शुरू करने से जुड़ी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर भी बात की। रूस और पाकिस्तान के बीच तेल और गैस क्षेत्रों में प्रगति, एलएनजी-एलपीजी सप्लाई फ्रेमवर्क और तकनीकी सहयोग पर विस्तार से बात हुई। नवीकरणीय ऊर्जा, हाइड्रोपावर और जल प्रबंधन तकनीकों, खासतौर पर बाढ़ प्रबंधन पर भी सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी।

फार्मा, स्टील और तकनीकी क्षेत्रों पर चर्चा : बैठक में फार्मास्यूटिकल क्षेत्र को लेकर भी बात हुई। खासकर इंसुलिन उत्पादन के पर बातचीत की गई। साथ ही पाकिस्तान स्टील मिल्स की आधुनिकीकरण की योजना और भारी मशीनरी, खनन और उन्नत विनिर्माण में साझेदारी की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। दोनों देशों ने वैज्ञानिक, शैक्षणिक और तकनीकी सहयोग की अहमियत को स्वीकार करते हुए इस्लामाबाद और कराची में रूसी भाषा केंद्र स्थापित करने की पहल का स्वागत किया। इसके अलावा दोनों में युवा कार्यक्रमों, स्कूल साझेदारी, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और मीडिया सहयोग को मजबूत करने पर भी चर्चा हुई।

टोक्यो को पछाड़ जकार्ता बना दुनिया का सबसे बड़ा शहर, दिल्ली टॉप 3 से बाहर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दुनिया के नक्शे पर शहर अब सिर्फ इमारतों का समूह नहीं, बल्कि मानव सभ्यता की धड़कन बन चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट वर्ल्ड अर्बनाइजेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2025 ने एक ऐसी तस्वीर पेश की है जो न केवल वर्तमान को दर्शाती है, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को भी उजागर करती है। इस रिपोर्ट के अनुसार, इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता अब दुनिया का सबसे बड़ा शहर बन गया है, जिसकी आबादी लगभग 4.2 करोड़ है। यह खिताब दशकों से जापान की राजधानी टोक्यो के पास था, लेकिन अब टोक्यो तीसरे नंबर पर खिसक गया है। बांग्लादेश की राजधानी ढाका दूसरे स्थान पर काबिज है, जबकि भारत की राजधानी दिल्ली टॉप-3 से बाहर हो गई है। यह बदलाव सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं है। यह वैश्विक शहरीकरण की उस लहर का प्रमाण है जो एशिया को केंद्र में ला रही है। रिपोर्ट बताती है कि 2025 में दुनिया की 8.2 अरब आबादी का 80 प्रतिशत शहरों में रहता है- यह 1950 के कई गुना ज्यादा है। मेगासिटीज (1 करोड़ से अधिक आबादी वाले शहर) की संख्या 1975 के महज 8 से बढ़कर 33 हो गई है, जिनमें से 19 एशिया में हैं।

शहरों की यात्रा प्राचीन काल से आधुनिक युग तक : शहरों का इतिहास मानव सभ्यता का आईना है। लगभग 9000 वर्ष पूर्व, जब कृषि क्रांति ने शिकार-संघर्ष के जीवन को बदल दिया, तब शहरों का जन्म हुआ। संयुक्त राष्ट्र और इतिहासकारों जैसे टर्टियस चैंडलर व जॉर्ज मॉडेलस्की के अनुमानों के अनुसार, 7000 ईसा पूर्व में फिलिस्तीन का जेरिको दुनिया का सबसे बड़ा शहर था, जहां मात्र 1000-2000 लोग रहते थे। यह एक प्रोटो-सिटी था- दीवारों से घिरा, जहां कृषि ने अतिरिक्त भोजन पैदा किया और जनसंख्या बढ़ी। समय के साथ, शहर साम्राज्यों के केंद्र बने। 3100 ईसा पूर्व से

2240 ईसा पूर्व तक मिस्र का मेम्फिस सबसे बड़ा शहर रहा, आबादी लगभग 30,000। फिर मेसोपोटामिया का अक्कड़ (अब इराक) उभरा। रोमन साम्राज्य के चरम पर, 100 ईस्वी में रोम की आबादी 10 लाख तक पहुंच गई- यह यूरोप का पहला मिलियन-प्लस शहर। लेकिन मध्ययुग में एशिया ने कमान संभाली। 9वीं शताब्दी में बगदाद (इराक) पहला आधुनिक मिलियन-सिटी बना, जहां अब्बासिद खलीफा के दरबार ने विज्ञान, कला और व्यापार को पोषित किया। 19वीं शताब्दी में औद्योगिक क्रांति ने यूरोप को आगे बढ़ाया। 1800 में लंदन दुनिया का सबसे बड़ा शहर था (लगभग 9 लाख), लेकिन 1900 तक न्यूयॉर्क ने इसे पीछे छोड़ दिया। एशिया फिर लौटा: 1950 में टोक्यो पहले नंबर पर था। संयुक्त राष्ट्र के डेटा से पता चलता है कि 1950-2000 के बीच शहरों की आबादी 7.7 करोड़ से कहीं आगे बढ़ी, लेकिन अब एशिया का दबदबा है।

2025 की टॉप-10 लिस्ट: एशिया का प्रभुत्व : वर्ल्ड अर्बनाइजेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2025 ने एक नई विधि अपनाई है- डिग्री ऑफ अर्बनाइजेशन (ष्ठश्वत्र्क्क) जो भौगोलिक डेटा (जैसे ग्लोबल ह्यूमन सेटलमेंट लेयर) पर आधारित है। यह राष्ट्रीय सीमाओं की बजाय घनी बस्तियों (1,500 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी से अधिक) को मापती है, जिससे आंकड़े अधिक तुलनीय बने। पुरानी रिपोर्टों में टोक्यो टॉप पर था, लेकिन नई विधि ने जकार्ता को आगे दिखाया।

2025 की दुनिया की सबसे बड़ी 10 अर्बन एग्लोमरेशन्स (शहरी समूह) की सूची इस प्रकार है: पहला स्थान इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता का है, जहां 41.9 मिलियन यानी लगभग 4 करोड़ 19 लाख लोग रहते हैं; दूसरे नंबर पर बांग्लादेश की ढाका है, जिसकी आबादी 36.6 मिलियन या 3 करोड़ 66 लाख है; तीसरा स्थान जापान के टोक्यो का है, जो 33.4 मिलियन (3 करोड़ 34 लाख) लोगों का घर है; चौथे पर भारत की नई दिल्ली 30.2 मिलियन (3 करोड़ 2 लाख) के साथ; पांचवें स्थान पर चीन का शंघाई 29.6 मिलियन (2 करोड़ 96 लाख) आबादी वाली; सातवें पर फिलीपींस का मनीला 24.7 मिलियन दसवें नंबर पर मिस्र का काहिरा 23 मिलियन (2 करोड़ 3 लाख) लोगों के साथ। यूएन के अनुसार, 2.3 करोड़ लोगों की आबादी के साथ, मिस्र का काहिरा टॉप 10 में अकेला ऐसा शहर है जो एशिया से बाहर है।

टीम इंडिया बनाम साउथ अफ्रीका वनडे सीरीज का आगाज आज से

- फैंस उत्साहित एक बार फिर मैदान पर दिखेगी रोहित और विराट की जोड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 30 नवंबर से शुरू होने जा रही है। इस सीरीज का पहला मुकाबला रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। इससे पहले टेस्ट सीरीज में साउथ अफ्रीका ने भारत को 0-2 से क्लीन स्वीप किया था, ऐसे में भारतीय टीम की नजरें अब वनडे सीरीज में वापसी और बेहतर प्रदर्शन करने पर टिकी हैं।

भारतीय टीम इस सीरीज में नियमित कप्तान शुभमन गिल के चोटिल होने के कारण केएल राहुल के नेतृत्व में मैदान पर उतरेगी। वहीं, फैंस रोहित शर्मा और विराट कोहली की जोड़ी को एक बार फिर मैदान पर देखने को लेकर उत्साहित हैं। इस जोड़ी की वापसी से टीम इंडिया के बल्लेबाजी क्रम में अनुभव और मजबूती आने की उम्मीद जताई जा रही है, जो इस सीरीज में बड़े मैचों में निर्णायक साबित हो सकती है।

पहला मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे से शुरू होगा, जबकि टॉस के लिए दोनों कप्तान 1 बजे मैदान पर उतरेंगे। रांची का यह मुकाबला भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए रोमांचक होने वाला है, क्योंकि टीम इंडिया यहां अपनी वनडे ताकत का प्रदर्शन करते हुए साउथ अफ्रीका के खिलाफ जीत दर्ज करने का प्रयास करेगी।

भारत को इस सीरीज में संतुलित बैटिंग और गेंदबाजी प्रदर्शन दिखाना होगा। वहीं, साउथ अफ्रीका भी टेस्ट सीरीज की हार के बाद सुधार और जीत की कोशिश करेगी, जिससे मुकाबले में रोमांच और बढ़ जाएगा। यह सीरीज क्रिकेट प्रेमियों के लिए खिलाड़ियों की फार्म और रणनीति को परखने का शानदार अवसर होगी। तीन मैचों की इस वनडे सीरीज में रांची के पहले मैच से ही हाई-टेंशन क्रिकेट देखने को मिलेगा। टीम इंडिया की रणनीति,

खिलाड़ियों की फार्म और मैच के दौरान होने वाले रोमांचक पल इस सीरीज को विशेष बनाएंगे। वनडे सीरीज में प्रदर्शन के आधार पर भारत और साउथ अफ्रीका की आगामी दौड़ और रणनीतियों का भी अंदाजा लगाया जा सकेगा।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत -रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, केएल राहुल (कप्तान, विकेट कीपर), ऋषभ पंत (विकेट कीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल

साउथ अफ्रीका - टेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, डेवाल्ड ब्रेविस, नंद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी ज़ोरज़ी, रुबिन हरमन, केशव महाराज, मार्को जेनसेन, एडेन मार्करम, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेल्टन, प्रेनेलन सुब्रयान

डब्ल्यूपीएल 2026: एमआई और आरसीबी से शुरू होगा नया सीजन, फाइनल वडोदरा में

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 का आगाज़ 9 जनवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दो बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस (एमआई) और 2024 की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच मैच से होगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने शनिवार को इस सीजन का शेड्यूल जारी किया। उन्होंने बताया कि नवी मुंबई में दो डबल-हेडर मुकाबले होंगे, जबकि फाइनल मुकाबला 5 फरवरी को वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में खेला जाएगा।

डब्ल्यूपीएल 2026 के पहले चरण में 9 से 17 जनवरी तक नवी मुंबई में कुल 11 मुकाबले होंगे। इसके बाद शेष 11 मैच वडोदरा में खेले जाएंगे, जिनमें प्लेऑफ भी शामिल हैं। वडोदरा लेग का आगाज़ गुजरात जायंट्स और आरसीबी के बीच मुकाबले से होगा। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच 2025 के फाइनल का री-मैच भी होगा। मुंबई इंडियंस इस सीजन डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतर रही है, जबकि आरसीबी खिताब जीतने वाली दूसरी टीम है। लीग स्टेज 1 फरवरी को समाप्त होगी। इसके बाद दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर में हिस्सा लेंगी, जबकि टेबल टॉपर सीधे 5 फरवरी को फाइनल में पहुंचेगी। डब्ल्यूपीएल 2026 का यह नया सीजन खिलाड़ियों और फैंस दोनों के लिए रोमांचक रहने वाला है, जिसमें नवी मुंबई और वडोदरा दोनों ही स्थानों पर हाई-टेंशन मुकाबले देखने को मिलेंगे।

नवी मुंबई लेग

9 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
10 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम गुजरात जायंट्स
10 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स
11 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जायंट्स
12 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम यूपी वॉरियर्स
13 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जायंट्स
14 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
15 जनवरी: मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वॉरियर्स
16 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम गुजरात जायंट्स
17 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम मुंबई इंडियंस
17 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

वडोदरा लेग

19 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
20 जनवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस
22 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम यूपी वॉरियर्स
24 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम दिल्ली कैपिटल्स
26 जनवरी: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम मुंबई इंडियंस
27 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
29 जनवरी: यूपी वॉरियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
30 जनवरी: गुजरात जायंट्स बनाम मुंबई इंडियंस
1 फरवरी: दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वॉरियर्स
3 फरवरी: एलिमिनेटर
5 फरवरी: फाइनल

आईपीएल नीलामी से पहले पृथ्वी शॉ का धमाका

–सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तूफानी फिफ्टी के साथ किया कमबैक का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनका बल्ला अभी भी आग उगलने के लिए तैयार है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में शॉ ने महाराष्ट्र की ओर से खेलते हुए हैदराबाद के खिलाफ सिर्फ 23 गेंदों में तूफानी अर्धशतक जड़कर सबको चौंका दिया। इस विस्फोटक पारी की बदौलत महाराष्ट्र को आसान जीत मिली, वहीं शॉ ने आईपीएल नीलामी से पहले फ्रेंचाइजियों का ध्यान एक बार फिर अपनी ओर खींच लिया।

हैदराबाद द्वारा दिए गए 192 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पृथ्वी शॉ ने क्रीज पर आते ही आक्रामक रुख दिखाया। उन्होंने अपनी 36 गेंदों की पारी में 9 चौके और 3 छक्के जड़ते हुए कुल 66 रन बनाए। शॉ ने अर्शिन कुलकर्णी के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 117 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की और टीम को जीत की मजबूत नींव दी। यह उनके करियर का महाराष्ट्र के लिए पहला टी20 अर्धशतक रहा। ऋतुराज गायकवाड़ की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी कर रहे शॉ पर दबाव था, लेकिन उन्होंने शानदार अंदाज में खुद को साबित किया। पिछले आईपीएल ऑक्शन में अनसोल्ड रहने के बाद पृथ्वी शॉ ने घरेलू क्रिकेट में जोरदार वापसी की है। मुंबई की टीम से हटने के बाद उन्होंने महाराष्ट्र की ओर से खेलना शुरू किया है और रणजी ट्रॉफी में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उनकी यह पारी बताती है कि वह एक बार फिर बड़े मंच पर वापसी को तैयार हैं।

एक समय भारतीय क्रिकेट का भविष्य माना जा रहे पृथ्वी शॉ को पिछले साल किसी भी आईपीएल टीम ने नहीं खरीदा था। लेकिन अब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनका शानदार प्रदर्शन आईपीएल फ्रेंचाइजियों के लिए मजबूत संदेश है। आगामी आईपीएल 2026 ऑक्शन 16 दिसंबर को अबू धाबी में आयोजित किया जाएगा, और शॉ अपने प्रदर्शन से टीमों की नजरों में जगह बनाना चाहते हैं। लगातार तीसरे वर्ष विदेश में होने वाला यह ऑक्शन रोचक होगा, और पृथ्वी शॉ के लिए यह स्वयं को साबित करने का बड़ा मौका है।

विराट कोहली के निशाने पर सचिन तेंदुलकर के दो वर्ल्ड रिकॉर्ड

–सिर्फ एक शतक से बना देंगे नया इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज रविवार, 30 नवंबर से शुरू होने जा रही है और पहला मुकाबला रांची में खेला जाएगा। इस हाई-वोल्टेज सीरीज में टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर सुर्खियों में होंगे, क्योंकि उनके सामने दो बड़े वर्ल्ड रिकॉर्ड्स को तोड़ने का सुनहरा मौका होगा। ये दोनों रिकॉर्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज हैं, जिन्हें कोहली सिर्फ एक शतक लगाकर पीछे छोड़ सकते हैं। फैंस की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि क्या किंग कोहली रांची में इतिहास रचते हुए मास्टर ब्लास्टर का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे।

पहला रिकॉर्ड किसी भी एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का है। इस समय विराट कोहली वनडे क्रिकेट में 51 शतक जड़ चुके हैं, जो सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी है। सचिन ने अपने करियर में टेस्ट क्रिकेट में 51 शतक लगाए, जबकि कोहली के ये 51 वनडे में हैं। जैसे ही कोहली एक और सेंचुरी बनाएंगे, वह दुनिया के पहले ऐसे क्रिकेटर बन जाएंगे जिन्होंने किसी भी एक फॉर्मेट में 52 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हों। यह उपलब्धि उन्हें न केवल क्रिकेट इतिहास के सबसे बड़े बल्लेबाजों में और आगे स्थापित करेगी, बल्कि वनडे फॉर्मेट में उनकी बादशाहत भी और मजबूत करेगी।

दूसरा रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने का है। इस सूची में अभी तीन खिलाड़ी संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर, जिनके नाम 5-5 शतक दर्ज हैं। हालांकि सचिन और वॉर्नर अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, ऐसे में कोहली के सामने इस मामले में अकेले रिकॉर्ड होल्डर बनने का शानदार अवसर है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक और सेंचुरी कोहली को इस टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा 6 शतक लगाने वाला अद्वितीय बल्लेबाज बना देगी।

आईसीसी वर्ल्ड कप 2025 में भारत को शानदार सफलता दिलाने के बाद कोहली की फॉर्म पहले से ज्यादा मजबूत नजर आ रही है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनके आंकड़े भी बेहद प्रभावशाली रहे हैं, और ऐसे में उम्मीद है कि रांची की पिच पर वह एक बार फिर अपने अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए नए इतिहास की इबारत लिखेंगे। भारतीय फैंस उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं कि क्या रविवार का मुकाबला क्रिकेट की किताब में विराट अध्याय जोड़ पाएगा।

रोहित-विराट की वापसी से मैदान में बनेगी खास ऊर्जा : साउथ अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा

रांची। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच रविवार को तीन वनडे मैचों की सीरीज की शुरुआत होने जा रही है। पहला मुकाबला रांची में खेला जाएगा। सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेंबा बावुमा ने रोहित शर्मा और विराट कोहली की मैदान पर वापसी को लेकर बड़ा बयान दिया है। कप्तान बावुमा का मानना है कि इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों के आने से मैच का रोमांच कई गुना बढ़ जाएगा और स्टेडियम में ऊर्जा का अलग ही होगी। एक वीडियो में बावुमा ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह बेहद रोमांचक है, खासकर भारतीय फैंस के लिए होगा। दो दिग्गज खिलाड़ी वापस आ रहे हैं। वे लंबे समय बाद भारत की धरती पर खेल रहे हैं। जब ये दोनों खिलाड़ी मैदान पर मौजूद होते हैं, तब उस ऊर्जा का हिस्सा बनना हमारे लिए भी खास होता है। हम इस पल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।' बावुमा ने बताया कि उनकी टीम रोहित और विराट की मौजूदगी से दबाव महसूस नहीं कर रही, बल्कि तैयारियों में और फोकस जोड़ रही है। हम जानते हैं कि मैदान पर माहौल अलग होगा, लेकिन यह अनुभव उतना ही रोमांचक रहेगा। कप्तान के तौर पर मेरी भूमिका वही रहेगी बल्ले से योगदान देना और टीम को रणनीति के अनुसार लीड करना।' बता दें कि रोहित और कोहली ने आखिरी बार अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज खेली थी। इसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि यह जोड़ी आगामी वनडे वर्ल्ड कप में नहीं खेलेगी, हालांकि प्रशंसकों का विश्वास है कि 'रो-को' फिर भारत की चुनौती को मजबूत करेगी।

सुल्तान अजलान शाह कप: भारत ने कनाडा को 14-3 से हराकर फाइनल में बनाई जगह

इपो (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कनाडा को 14-3 से रौंदते हुए पूल की शीर्ष स्थिति हासिल की और सुल्तान अजलान शाह कप के फाइनल में प्रवेश किया। जुगराज सिंह ने चार गोल किए और शानदार प्रदर्शन से टीम को जीत दिलाई।

इससे पहले भारत को टूर्नामेंट में केवल बेल्जियम से एक गोल से हार मिली थी, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-2 की रोमांचक जीत ने टीम का मनोबल बढ़ा दिया। भारत रविवार को फाइनल में बेल्जियम से भिड़ेगा।

मैच की शुरुआत चौथे मिनट में नीलकंता शर्मा के गोल से हुई, उसके बाद 10वें मिनट में राजिंदर सिंह ने गोल कर भारत को बढ़त दिलाई। कनाडा ने जल्दी गोल के जवाब में पेनल्टी कॉर्नर बनाकर 11वें मिनट में ब्रेंडन गुरालियुक के गोल से स्कोर 1-2 किया। इसके बाद 12वें और 15वें मिनट में जुगराज सिंह और अमित रोहिदास ने गोल कर भारत को 4-1 की बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारतीय युवा खिलाड़ी दबाव में भी मजबूत रहे और कनाडाई डिफेंस को रोका। इस दौरान राजिंदर (24वें मिनट), दिलप्रीत सिंह (25वें मिनट) और जुगराज (26वें मिनट) ने गोल कर बढ़त 7-1 कर दी।

तीसरे क्वार्टर में कनाडा ने आक्रमण में बदलाव किया और 35वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक से स्कोर 7-2 किया। जुगराज ने 39वें मिनट में हैट्रिक पूरी की और सेल्वम कार्थी ने 43वें मिनट में गोल कर भारत को 9-2 की शानदार बढ़त दिलाई।

अंतिम क्वार्टर केवल औपचारिकता थी, लेकिन इस दौरान सबसे ज्यादा गोल हुए। रोहिदास ने 46वें मिनट में PC गोल किया, जुगराज ने 50वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक से स्कोर बढ़ाया। कनाडा ने भी 3-11 तक वापसी की, जबकि संजय (56वें मिनट) और अभिषेक (57वें और 59वें मिनट) ने गोल कर भारत को 14-3 से जीत दिलाई।

आईपीएल 2026: रवि बिश्नोई की अगली टीम पर अटकलें तेज, चहल की लाइव चैट ने बढ़ाई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 की नीलामी नजदीक आते ही युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई की नई टीम को लेकर अटकलें तेजी से बढ़ गई हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स द्वारा रिलीज़ किए जाने के बाद अब यह चर्चा गर्म है कि आखिर आगामी सीजन में वह किस फ्रेंचाइजी के साथ मैदान पर उतरेंगे। अब तक के आईपीएल करियर में बिश्नोई ने 72 से अधिक विकेट हासिल किए हैं और बीच के ओवरों में रन रोकने तथा लगातार विकेट निकालने की क्षमता ने उन्हें टूर्नामेंट के सबसे अहम भारतीय गेंदबाजों में शामिल किया है। यही कारण है कि कई टीमें उन पर बड़ा दांव लगाने के लिए तैयार दिखाई दे रही हैं। इस बीच, टीम इंडिया और आईपीएल स्टार स्पिनर युजवेंद्र चहल ने सोशल मीडिया पर एक इंस्टाग्राम लाइव के दौरान उनकी भविष्य की फ्रेंचाइजी को लेकर हल्के-फुल्के अंदाज़ में टिप्पणी की, जिसने चर्चा को और हवा दे दी। बातचीत में चहल ने मुस्कुराते हुए कहा 'बिश्नोई, मुझे फीलिंग आ रही है कि तू राजस्थान रॉयल्स जाएगा आईपीएल में।' जवाब में बिश्नोई ने भी मज़ेदार अंदाज़ में कहा 'तो बस आपकी फीलिंग के खिलाफ थोड़ी न जाएंगे।' इस संवाद के बाद सोशल मीडिया पर बिश्नोई को राजस्थान रॉयल्स जॉइन करने की संभावना को लेकर कयासों की बाढ़ आ गई है। चहल ने मज़ाक जारी रखते हुए बिश्नोई को चेतावनी भी दे डाली 'जा भाई, वरना मेरी तरह डोमेस्टिक ही खेलता रह जाएगा।' इस हल्की-फुल्की नोकझोंक ने फैंस का खूब मनोरंजन किया और कमेंट सेक्शन में लोगों ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया कि चहल की बातें कहीं वास्तविक संकेत तो नहीं?

हालांकि पिछले सीजन में बिश्नोई का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुसार नहीं रहा था, लेकिन बिश्नोई की स्ट्राइक-रेट, तेज़ी से बॉल को टर्न कराने की क्षमता और डेथ ओवर्स तक गेंदबाजी करने का आत्मविश्वास उन्हें हर टीम की प्राथमिकता बना सकता है। आईपीएल में भारतीय गुणवत्ता वाले स्पिनर्स की कमी को देखते हुए वह इस नीलामी के सबसे महंगे और चर्चित खिलाड़ियों में शामिल हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, राजस्थान रॉयल्स, मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद जैसे फ्रेंचाइजी बिश्नोई पर बड़ा दांव लगा सकती हैं। अब देखना होगा कि नीलामी की तारीख आते-आते बिश्नोई किस टीम का हिस्सा बनते हैं और उनकी अगली फ्रेंचाइजी कौन सी होती है।

श्रीलंका के खिलाफ उतरेगी विश्व चैंपियन भारतीय महिला टीम

- भारत दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ 5 टी20 इंटरनेशनल मैचों की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली। वनडे वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम एक बार फिर मैदान पर अपने जौहर का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। बीसीसीआई ने शुक्रवार को आगामी होम सीरीज का ऐलान करते हुए बताया कि भारत दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ 5 टी20 इंटरनेशनल मैचों की मेजबानी करेगा। यह वही भारतीय टीम है, जिसने इसी महीने पहली बार महिला वनडे वर्ल्ड कप जीतकर पूरे देश को गर्व से भर दिया था। वर्ल्ड कप जीत के बाद यह भारतीय टीम की पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज होगी, जिसे लेकर क्रिकेट प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह है। दिसंबर में पहले भारत और बांग्लादेश के बीच सीरीज प्रस्तावित थी, लेकिन दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ने के कारण उसे स्थगित कर दिया गया। इसके बाद बीसीसीआई और श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने मिलकर नई सीरीज का शेड्यूल तैयार किया और 5 मैचों की टी20 सीरीज पर सहमति बनी। यह सीरीज भारतीय टीम के लिए बेहद अहम मानी जा रही है, क्योंकि अगले साल फरवरी-मार्च में भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी, जहां दोनों देशों के बीच 1 टेस्ट, 2 टी20 और 3 वनडे मैच खेले जाएंगे। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ ये मुकाबले खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों के लिए बेहतर तैयारी का अवसर देंगे। साथ ही यह सीरीज महिला प्रीमियर लीग 2026 (डब्ल्यूपीएल 2026) से पहले अपने प्रदर्शन को निखारने और टीम संयोजन मजबूत करने के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगी। भारत-श्रीलंका टी20 सीरीज विशाखापत्तनम और तिरुवनंतपुरम में आयोजित की जाएगी। पहला मैच 21 दिसंबर को विशाखापत्तनम के डॉक्टर वाईएस राजशेखर रेड्डी स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला भी वहीं 23 दिसंबर को होगा। तीसरा टी20 26 दिसंबर को तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा और इसके बाद चौथा और पांचवां मैच क्रमशः 28 और 30 दिसंबर को वहीं आयोजित होंगे। वर्ल्ड कप जीत से उत्साहित हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारतीय टीम अपनी लय बरकरार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी, वहीं श्रीलंका की टीम 2026 के व्यस्त सीजन से पहले शानदार प्रदर्शन के जरिए आत्मविश्वास मजबूत करना चाहेगी। कई अहम खिलाड़ियों की वापसी और युवा प्रतिभाओं की मौजूदगी इस सीरीज को रोमांचक बना देगी।

वनडे सीरीज से पहले टीम इंडिया का 'कॉन्फिडेंस बूस्ट': केएल राहुल ने बताई कोहली-रोहित की अहमियत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केएल राहुल ने कहा कि 30 नवंबर से रांची के जेएससीए स्टेडियम में शुरू होने वाली भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका वनडे सीरीज़ से पहले, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों की टीम में वापसी से ड्रेसिंग रूम में आत्मविश्वास का संचार हुआ है। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में, केएल राहुल, जो कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति में भारतीय टीम की कमान संभालेंगे, ने टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के होने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि उनकी मौजूदगी और अनुभव ड्रेसिंग रूम के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और युवा खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं।

राहुल ने कहा कि किसी भी समय उनका महत्व बहुत ज़्यादा होता है। टीम में वरिष्ठ खिलाड़ियों का होना निश्चित रूप से ड्रेसिंग रूम को और भी ज़्यादा आत्मविश्वास से भर देता है। उनकी मौजूदगी और अनुभव से ड्रेसिंग रूम के कई खिलाड़ियों और टीम को मदद मिलती है। इसलिए, हम वाकई खुश हैं कि वे यहाँ हैं। दाएँ हाथ के बल्लेबाज़ ने कहा कि जीत सबसे ज़रूरी चीज़ है। हम इसी पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रहे हैं और एक हफ़्ते पहले जो हुआ उसे भूलकर कल के मैच पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रहे हैं और देख रहे हैं कि हम कैसे सामूहिक प्रदर्शन कर सकते हैं जिससे हमें जीत हासिल करने में मदद मिले और फिर यहाँ से अगले मैदान पर जाकर देखें कि हम इसे फिर से कैसे कर सकते हैं और इस सीरीज़ को जीतने की कोशिश कर सकते हैं। इसलिए, यही सबसे महत्वपूर्ण चीज़ है और हम इसी के बारे में सोच रहे हैं। ज़ाहिर है, एक स्थिर टीम होने से मदद मिलती है और कुछ समान चेहरे होने से ड्रेसिंग रूम को भी मदद मिलती है।

राहुल ने विराट कोहली की स्ट्राइक रोटेट करने की क्षमता की प्रशंसा की और कहा कि वनडे और टेस्ट क्रिकेट में सिंगल लेना बाउंड्री लगाने जितना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कोहली इस कौशल में निपुण हैं, और युवा खिलाड़ी, जिनमें वह खुद भी शामिल हैं, अक्सर कोहली और रोहित शर्मा दोनों से स्ट्राइक रोटेशन में सुधार के बारे में सीखते हैं। उन्होंने कहा कि वनडे क्रिकेट और टेस्ट क्रिकेट में सिंगल लेना बाउंड्री लगाने जितना ही महत्वपूर्ण है, टी20 फॉर्मेट में शायद उतना नहीं। विराट ने अपने करियर में यह बहुत अच्छा किया है। हमने विराट को देखा है और उससे सीखने की कोशिश की है। ड्रेसिंग रूम में भी, हम सभी ने उनसे और रोहित से बात की कि हम बल्लेबाज़ के तौर पर कैसे बेहतर हो सकते हैं, कैसे हम स्ट्राइक रोटेट कर सकते हैं। ज़ाहिर है, वह वनडे क्रिकेट में ऐसा करने में माहिर हैं। इसलिए, हमें बहुत खुशी है कि वह ड्रेसिंग रूम में वापस आ गए हैं और

वह यहाँ आकर ये मैच खेलने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

वनडे सीरीज़ में, रांची में पहले मैच के बाद, दोनों टीमें रायपुर में भिड़ेंगी, उसके बाद विशाखापत्तनम में अंतिम मैच होगा। टेस्ट सीरीज़ में 2-0 की निराशाजनक हार के बाद भारतीय टीम वनडे में वापसी करना चाहेगी।

लियोनेल मेसी अगले महीने आएंगे भारत, GOAT टूर ऑफ इंडिया 2025 में हैदराबाद भी शामिल

अर्जेंटीना। दिग्गज फुटबॉलर और विश्व कप विजेता कप्तान लियोनेल मेसी ने भारत आने की अपनी तैयारियों को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। मेसी ने पुष्टि की है कि उनके बहुचर्चित 'GOAT Tour of India 2025' में अब हैदराबाद को भी शामिल कर लिया गया है। यह उनका भारत दौरे का चौथा पड़ाव होगा। मेसी पहले कोलकाता पहुंचेंगे, जो उनके टूर का शुरुआती शहर है। इसके बाद वे हैदराबाद आएंगे, फिर मुंबई और अंत में दिल्ली, जहां उनके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की संभावना है। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में मेसी ने लिखा, 'इंडिया, आपके प्यार के लिए धन्यवाद! GOAT Tour कुछ ही हफ्तों में शुरू हो रहा है। खुशी है कि हैदराबाद को भी मेरी यात्रा में शामिल किया गया है। इंडिया, जल्द मिलते हैं!'

इस डर से बिग बॉस 9 में एंट्री नहीं ले पाई थीं नोरा फतेही

एक्ट्रेस-डांसर नोरा फतेही ने रियलिटी टीवी शो बिग बॉस 9 में एक कंटेस्टेंट के तौर पर हिस्सा लिया था। यह शो अक्तूबर 2015 से जनवरी 2016 तक एयर हुआ था। उन्होंने शो के 58वें दिन वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री की थी। क्या आप जानते हैं कि उस समय उन्हें शुरू में मेन कंटेस्टेंट में से एक के तौर पर शामिल होने के लिए अप्रोच किया गया था? इस बारे में नोरा फतेही ने अपनी बात रखी है।

गलतफहमी की वजह से हुआ बातचीत में नोरा फतेही ने बताया बिग बॉस ने शुरू में मुझे मेन कंटेस्टेंट में से एक बनने के लिए अप्रोच किया था। इस पर मैंने उन्हें मना कर दिया था। मुझे लग रहा था कि मैं इस तरह की चीजों के लिए तैयार नहीं हूं। यह गलतफहमी की वजह से हुआ। मुझे लगा कि लोग मुझे नहीं समझ पाएंगे। तब मैं छोटी थी और अपने आपको को समझने की कोशिश कर रही थी। मुझे लगा कि लोग अलग तरह से बर्ताव करेंगे इसलिए मैं मुसीबत में पड़ने के लिए तैयार नहीं थी।

वाइल्ड कार्ड के जरिए हुई एंट्री

नोरा ने आगे बताया कि जब मेकर्स ने वाइल्ड कार्ड एंट्री के जरिए उन्हें अप्रोच करने की कोशिश की तो उन्होंने हां कह दी। उन्होंने कहा तो जब वे वाइल्ड कार्ड एंट्री के लिए वापस आए, तो मुझे लगा कि ठीक है, शायद कुछ हफ्ते लगेंगे। मैं ऐसा कर सकती थी। मैं चाहती थी कि मैं दुनिया को बता दूं कि मैं यहां हूं।

झलक दिखला जा में जाना चाहती थीं नोरा

नोरा ने कहा बताया कि वह शो झलक दिखला जा में जाना चाहती थीं। उन्होंने सोचा कि वह अगर बिग बॉस में जाएंगी तो उन्हें झलक दिखला जा में जाने में मदद मिलेगी इसलिए वह बिग बॉस में गईं। बिग बॉस से बाहर आने के तुरंत बाद उन्हें झलक दिखला जा का कॉन्ट्रैक्ट मिल गया।

शुभांगी अत्रे ने रिप्लेसमेंट पर तोड़ी चुप्पी

शिल्पा शिंदे फिर बनेंगी अंगूरी भाभी

टीवी के पॉपुलर शो भाबी जी घर पर हैं में 10 साल बाद बड़ा बदलाव होने जा रहा है। शो में 10 साल से अंगूरी भाभी का रोल निभाने वाली शुभांगी अत्रे ने शो को अलविदा कह दिया है। इससे पहले एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे अंगूरी भाभी का किरदार निभाती थीं लेकिन 10 साल पहले शुभांगी ने उन्हें रिप्लेस किया था। अब खबरों की माने तो फिर से इस रोल में शिल्पा शिंदे की वापसी हो रही है। इंटरव्यू में शुभांगी ने अपनी जर्नी पर बात करते हुए कहा- मैंने हमेशा मिसेज कोहली से कहा था कि शो में मेरा सफर आन, बान और शान से शुरू होगा और वैसे ही खत्म होगा।

मैं इससे अच्छे फेयरवेल की उम्मीद नहीं कर सकती थी। मुझे क्यों रिप्लेस किया जा रहा है, उसमें उलझने का कोई मतलब नहीं है। मैं इसे एक आशीर्वाद के रूप में देखती हूं। क्योंकि एक आर्टिस्ट के रूप में, मैं नए किरदारों को तलाशना चाहती हूं। यहां से निकलने के बाद फिर से काम की तलाश करूंगी। लाइफ में इतना कुछ देखने के बाद, अब मैं पूरी तरह से तैयार हूं और सिर्फ अपनी बेटी और काम पर फोकस कर रही हूं। शुभांगी ने आगे कहा- '10 साल जिस शो का हिस्सा रही हूं, उसे छोड़ना इमोशनल कर रहा है। शो छोड़ना घर छोड़ने जैसा है। शूट के आखिरी दिनों में काफी इमोशनल हो गई थी। अंगूरी का किरदार मेरे लाइफ का हिस्सा बन गया था। मैं इस शो की शुक्रगुजार हूं क्योंकि इसने मुझे बहुत कुछ दिया है।' शुभांगी ने शो में शिल्पा शिंदे की वापसी पर भी बात की। उन्होंने कहा- 'मैं अब इस

रिप्लेसमेंट गेम को खत्म कर रही हूं। मैंने अपनी मां से कहा कि शिल्पा ने इस शो को 9-10 महीने में छोड़ दिया था। उस वक्त मुझे ऐसा महसूस हुआ जैसे वो न्यूबॉर्न बेबी सौंपकर गई हैं। आज वो बच्चा 10 साल का हो गया है। अब मैं इसे वापस कर रही हूं। मैंने 10 साल तक उसे वैल्यू और संस्कार दिए। मैं शिल्पा शिंदे और पूरी टीम को इस शो के 2.0 वर्जन के लिए ऑल द बेस्ट कहूंगी।' शुभांगी ने छोटे पर्दे पर एकता कपूर के शो कसौटी जिंदगी की से करियर की शुरुआत की थी। उसके बाद कस्तूरी में मेन लीड में नजर आईं। इस शो से शुभांगी को काफी पॉपुलैरिटी मिली। भाबी जी घर पर हैं शो से जुड़ने से पहले शुभांगी दो हंसों का जोड़ा शो में भी नजर आई थीं।

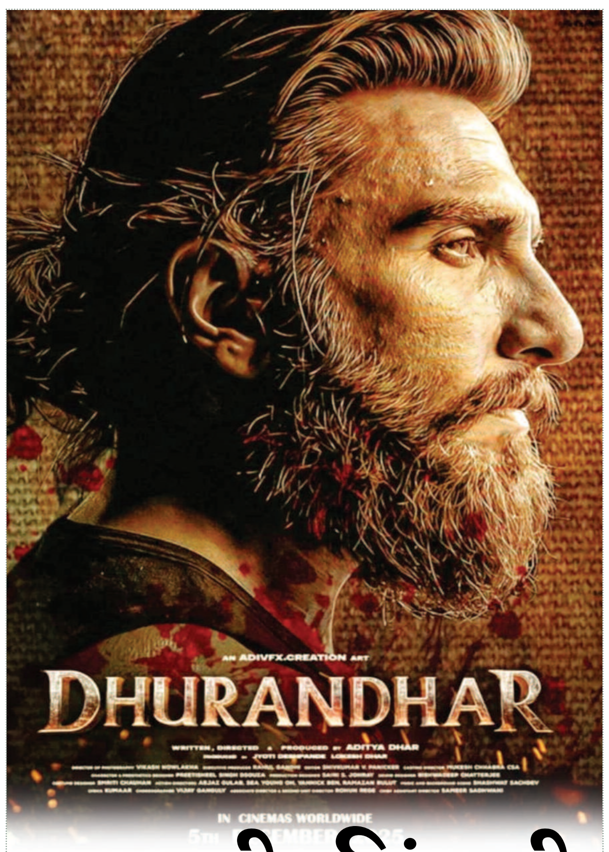

रणवीर सिंह की 'धुरंधर' तोड़ेगी 17 वर्षों का रिकॉर्ड!

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर' के रिलीज का इंतजार दर्शकों को बड़ी बेसब्री से है। इस फिल्म के रन टाइम को लेकर बड़ी जानकारी आई है कि अब 17 वर्षों का रिकॉर्ड टूटने वाला है। यह फिल्म दो और तीन घंटे से भी अधिक अवधि की होने वाली है।

इतने घंटे की होगी फिल्म

रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म 'धुरंधर' की लंबाई लगभग 3 घंटे 32 मिनट बताई जा रही है। रिपोर्ट्स में कहा गया, 'अभी अंतिम रनटाइम को सीक्रेट रखा गया है। लेकिन उम्मीद है कि यह लगभग 3.5 घंटे लंबा होगा। सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट हासिल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। कुछ दिनों में जब सीबीएफसी फिल्म को पास कर देगा, तब इसकी सही रनटाइम पता चल पाएगी।'

अवधि लंबे होने की क्या है वजह?

आगे बताया गया कि 'फिल्म 'धुरंधर' एक लॉन्ग स्टोरी पर आधारित है। इसी वजह से इसकी अवधि लंबी है। आपको बताते चलें कि रिपोर्ट्स में उरी द सर्जिकल स्ट्राइक, आर्टिकल 370 जैसी फिल्मों का तर्क देते हुए कहा गया कि इन फिल्मों की तरह ही धुरंधर की कहानी भी दर्शकों को अंत तक बांधने वाली होगी। इसके साथ ही बता दें कि फिल्म धुरंधर को दो भागों में रिलीज किया जाएगा। ऐसी भी जानकारी है।

17 वर्षों का टूटेगा रिकॉर्ड

अगर यह जानकारी सच साबित होती है, तो फिल्म 'धुरंधर' लगभग 17 वर्षों में रिलीज हुई सबसे लंबी बॉलीवुड फिल्मों में से एक बनने वाली है। आखिरी फिल्म, जो लिस्ट में है। वह फिल्म जोधा अकबर है, जो साल 2008 में रिलीज हुई थी। इसका रनटाइम 3 घंटे 34 मिनट था।

5 दिसंबर को रिलीज होगी 'धुरंधर'

आदित्य धर द्वारा लिखित और निर्देशित 'धुरंधर' में एक भारी भरकम स्टारकास्ट नजर आने वाली है। इसमें रणवीर सिंह, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, अक्षय खन्ना, आर माधवन और सारा अर्जुन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'धुरंधर' 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। माना जा रहा है कि यह एक स्पाई-थ्रिलर एक्शन फिल्म होगी।

किस किसको प्यार करूं 2

चार पत्नियों के चक्कर में उलझे कपिल शर्मा

कॉमेडियन कपिल शर्मा की अपकमिंग फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 की रिलीज का दर्शकों को काफी इंतजार है। इससे पहले इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। यह फिल्म साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म किस किसको प्यार करूं का सीक्वल है। किस किसको प्यार करूं 2 के ट्रेलर में दिखाया गया है कि कपिल शर्मा गलतफहमी के चलते तीन शादियां कर लेते हैं। इसके बाद वह तीनों पत्नियों की डिमांड पूरी करते-करते परेशान हो जाते हैं। तीनों पत्नियों के घर वाले कपिल शर्मा को अपना दामाद समझते हैं और उन पर अपना हक जमाते हैं। इसके बाद एक पुलिस वाला कपिल शर्मा से मिलता है। पुलिस वाला कपिल से कहता है कि वह उस इंसान की तलाश में हैं, जिसने तीन शादियां की हैं और अब चौथी करना चाहता है।

रिवील हुई फिल्म की रिलीज की तारीख

कपिल शर्मा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 का ट्रेलर शेयर किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा है चार पत्नियां। इसे घर पर करने की कोशिश न करें। यह स्टंट हमारे एक्सपर्ट

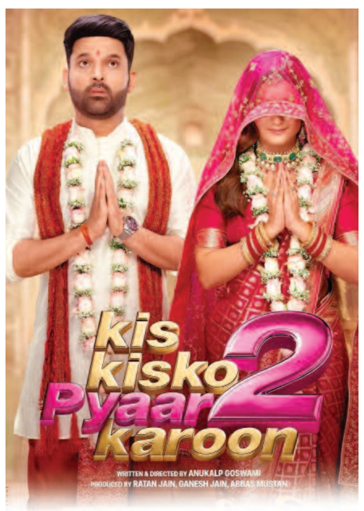

ने किया है। किस किसको प्यार करूं 2 सिनेमाघरों में 12 दिसंबर 2025 को रिलीज हो रही है।

यूजर्स ने किए कमेंट

किस किसको प्यार करूं 2 का ट्रेलर दर्शकों को अच्छा लगा है। ट्रेलर में असरानी की झलक दिखी है। उन्होंने इस पर कमेंट किए हैं। एक यूजर ने लिखा है असरानी सर। एक और यूजर ने लिखा है असरानी को देखकर अच्छा लगा। एक और यूजर ने लिखा है ट्रेलर बहुत अच्छा है। फिल्म का इंतजार है।

फैंस की वजह से हफ्ते में एक बार रो पड़ती हैं अनीत पड्डा

अनीत पड्डा ने हाल ही में बताया कि वह बहुत जल्दी इमोशनल हो जाती हैं। वह हफ्ते में एक बार कुछ ऐसा देख लेती हैं कि खुद को रोने से रोक नहीं पाती हैं। उनका कहना है कि इन खास चीजों में उनको प्यार महसूस होता है। जिससे उन्हें अपने काम को और बेहतर करने का दबाव भी महसूस होता है। 23 साल की अनीत ने ग्राजिया इंडिया से बातचीत में कहा, मैं बहुत संवेदनशील हूं। जो प्यार मुझे फैंस से मिल रहा है, उसके साथ न्याय करने की जिम्मेदारी कभी-कभी भारी लगती है। ये बहुत खूबसूरत है, लेकिन कई बार बहुत ज्यादा भी हो जाता है। अनीत कहती हैं कि फैंस का इतना प्यार देखकर अच्छा लगता है, लेकिन उम्मीद भी बढ़ जाती है कि वह उस प्यार के लायक बनें। यही वजह है कि फैन एडिट्स देखकर उनकी आंखें भर आती हैं।

अनीत का करियर

अनीत ने मॉडलिंग से अपना करियर शुरू किया। 2022 में उन्होंने काजोल के साथ फिल्म सलाम वेंकी से छोटी भूमिका निभाई, लेकिन उन्हें असली पहचान नहीं मिली। इसके बाद 2024 में अनीत ने वेब सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई में अभिनय किया, लेकिन फिर भी लोगों ने उन्हें नोटिस नहीं किया। साल 2025 में फिल्म 'सैयारा' ने उन्हें रातोंरात सुपरस्टार बना दिया। अहान पांडे के साथ फिल्म सैयारा अनीत के करियर की ब्लॉकबस्टर फिल्म साबित हुई।

अनीत का वर्कफ्रंट

अनीत पड्डा जल्द ही हॉरर-कॉमेडी फिल्म शक्ति शालिनी में नजर आएंगी। शक्ति शालिनी मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की एक आगामी हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में अनीत पड्डा मुख्य भूमिका निभाएंगी। यह फिल्म दिसंबर 2026 में रिलीज हो सकती है।

मुंबई में समझी सेफ होना कैसा महसूस होता है

नाटक हों या विज्ञापन की दुनिया या हो फिल्में या फिर ओटीटी, निमरत कौर ने खुद को हर जगह साबित किया। द लंचबॉक्स जैसी फिल्म से सभी का दिल जीतने वाली ये एक्ट्रेस एयरलिफ्ट और दसवी जैसी फिल्मों में नजर आईं। पिछले दिनों वेब सीरीज कुल में सराही गई निमरत इन दिनों चर्चा में हैं अपनी नई वेब सीरीज द फैमिली मैन के सीजन 3 के नेगेटिव रोल से।

अब तक आप परदे पर काफी मजबूत महिला किरदारों में नजर आई हैं, मगर आम जिंदगी में आपको लड़कियों से जुड़ी कौन-सी बात सबसे ज्यादा परेशान करती है?

लड़की होने के साथ जो असुरक्षा की भावना जुड़ी है, वो दुनिया के किसी भी प्रोफेशन या जगह से बड़ी है। मैं दिल्ली में पली-बढ़ी हूं, और जब मुंबई आई, तो पहली बार समझ में आया कि 'सेफ होना कैसा महसूस होता है'। और उसी समय यह सवाल और गहरा हुआ कि मुझे पहले कभी ऐसा क्यों नहीं लगा? यह मुद्दा सिर्फ दिल्ली या किसी एक शहर का नहीं। काम, समर्पण, मेहनत, ये सब हम भी उतनी ही करती हैं, जितना कोई भी इंसान करता है, फिर हम क्यों सबसे पहले खुद को सुरक्षित रखने की जद्दोजहद में लगे रहें? क्यों किसी लड़की को यह 'फायदा' लगे कि 'अच्छा है, यहां सेफ्टी ज्यादा है'? सेफ्टी कोई सुविधा नहीं, हमारा हक है। सुरक्षित रहना मेरा और हर लड़की का, जन्मसिद्ध और मौलिक अधिकार है। इस पर सवाल ही नहीं उठना चाहिए।

एक एक्ट्रेस के रूप में आज आपके लिए रोल लिखे जाते हैं, शहर की होर्डिंग्स में आपके शोज या फिल्मों के बड़े-बड़े पोस्टर लगते हैं, मगर आपको अपने करियर का होर्डिंग पर लगा पहला पोस्टर याद है?

बिलकुल याद है। वो पोस्टर था द लंचबॉक्स का। मुंबई के जुहू सर्कल पर हमेशा विशाल होर्डिंग्स लगते थे और किसी ने बताया कि वहां हमारी फिल्म का भी एक बड़ा सा पोस्टर लगा है। उस समय सोशल मीडिया का शोर इतना नहीं था, तो मेरे उत्साह का अंदाजा आप लगा सकते हैं। मैं बार-बार सोच रही थी, अरे, मेरा इतना बड़ा पोस्टर!' और उसे देखने खुद पहुंच गई। लेकिन जब मैंने वो होर्डिंग देखा मैं उसमें उल्टी थी! इरफान चिट्ठी पढ़ते और खाना खाते दिख रहे थे, और मेरी तस्वीर उल्टी लटक रही थी।

आज एक तरफ आपके द्वारा किए जाने वाले शो जैसे लॉन्ग फॉरमेट कॉन्टेंट हैं और दूसरी तरफ आज 2-3 मिनट के माइक्रो ड्रामा के रूप में वर्टिकल शोज का चलन देखने को मिल रहा है, क्या कहना चाहेंगी?

मैं आपको बताऊं, मैंने कई सालों तक विज्ञापन फिल्मों में काम किया है और उसमें तो आप 20-30 सेकेंड्स में प्रोडक्ट को बेच कर निकल जाते हैं, तो मुझे एड्स में अनुभव है, इस तरह के काम करने का। मेरा मानना है कि लॉन्ग फॉर्मेट हो या माइक्रो ड्रामा, एंगेजिंग होना चाहिए।

खुशकिस्मत हूं कि मुझे सीरीज में नकारात्मक किरदार मिला

अदाकार के जीवन जरूर ऐसा आता है, जब वो कुछ अलग तरह की भूमिकाएं करने का इच्छुक होता है। बहुत बार ऐसा होता है कि किरदार आपको चुन रहे होते हैं न कि आप चरित्र को। मैं बहुत खुशकिस्मत मानती हूं खुद को कि मुझे इस सीरीज में नई एंट्री के रूप में एक नकारात्मक किरदार मिला है। इससे पहले भी मैं फिल्म दसवीं और कुल जैसी सीरीज में ग्रे किरदार कर चुकी हूं। मैं आपको एक दिलचस्प बात बताऊं, करियर के शुरुआती दौर में हॉलीवुड सीरीज होमलैंड में भी मेरा नेगेटिव किरदार था। किरदार पॉजिटिव हो या नेगेटिव उसे सुनकर मजा आए, तो निभाने का अलग ही मजा होता है। जाहिर है आप अपनी जिंदगी का एक बहुत बड़ा हिस्सा उस रोल को दे रहे होते हैं। मुझे साल दर साल अपनी भूमिकाओं से याद हैं कि द लंचबॉक्स मैंने 2013 में की थी, तो होमलैंड 2019 में की थी। एक एक्टर को अपना पार्ट निभाना होता है, एक शिद्दत के साथ, मगर जब आपके साथी कलाकार कमाल के हों, तो रोल को करने का मजा बढ़ जाता है। अब जैसे इस सीरीज में मैं 110 फिल्में कर चुके मनोज बाजपेयी के साथ काम करने का मौका मिला। इनके साथ काम करके बहुत कुछ सीखने को मिला कि इतना लंबा समय एक्टिंग के फील्ड में बिताने के बावजूद इनकी अप्रोच भूमिका को लेकर कितनी पैशनेट है। ऐसा लगता है जैसे उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की हो।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा फ्लोरेंस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व ग्राम बुखारीपुर, पोस्ट ब्रजवाली, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/89483, मो0 9456884327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।